

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 29 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर चर्च 19 अंक 174 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एनएचआरसी का दिल्ली समेत 22 राज्यों के मुख्य सचिवों को नोटिस

संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा के निर्देश

एजेंसी नई दिल्ली। देश में बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने राष्ट्रीय पर पड़ता है। इसलिए आयोग ने संवेदनशील राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि वे लू के खतरों से आम लोगों, विशेषकर कमजोर वर्गों के जीवन की रक्षा के लिए तत्काल और अग्रिम कार्रवाई करें।

'पूर्व का स्वर्ग' देखना है तो सिक्किम जरूर पहुंचें पर्यटक :मोदी

सिक्किम और पूरा पूर्वोत्तर केवल देश का हिस्सा नहीं, बल्कि 'भारत की अष्टलक्ष्मी' है : प्रधानमंत्री

एजेंसी गंगटोक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सिक्किम के राज्यपाल के 50वें वर्ष के समान समारोह में हिस्सा लेते हुए नार्थ ईस्ट और सिक्किम को लेकर कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सिक्किम और पूरा पूर्वोत्तर केवल देश का हिस्सा नहीं, बल्कि 'भारत की अष्टलक्ष्मी' है, जो देश की समृद्धि और शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'नार्थ ईस्ट हिंदुस्तान की अष्टलक्ष्मी है। इसलिए हम 'एक्ट ईस्ट' नीति पर काम कर रहे हैं और साथ ही 'एक्ट फास्ट' का संकल्प भी लिया है।' उन्होंने बताया कि सरकार का खास फोकस सिक्किम की कनेक्टिविटी

अनुभव नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिक्किम के लिए संभावनाओं का एक और क्षेत्र स्कॉर्डर का अनुभव बहुत खास होता है। सिक्किम में यहां देश की 25 प्रतिशत से ज्यादा फ्लोरल डाइवर्सिटी पाई जाती है। सरकार का खास फोकस सिक्किम की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर है। पिछले कुछ वर्षों में यहां सैकड़ों किलोमीटर हाईवे बनाए गए हैं और गांव-गांव तक सड़क पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है। पीएम मोदी ने सिक्किम की सबसे बड़ी ताकत उसकी टूरिज्म इकोनॉमी को बताया। उन्होंने कहा कि भले ही सिक्किम का क्षेत्रफल देश के कुल क्षेत्रफल का 1 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन यहां देश की 25 प्रतिशत से ज्यादा फ्लोरल डाइवर्सिटी पाई जाती है। खासतौर पर ऑर्किड्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आपने सिक्किम के ऑर्किड नहीं देखे, तो आपने असली सुंदरता का

सिक्किम और देश का नाम रोशन किया है। इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हम खेलों, इंडिया और फिट इंडिया जैसे आंदोलन चला रहे हैं। यहां को स्टेट स्पोर्ट्स अकादमी को भी पुनर्जीवित किया गया है। सिक्किम प्रीमियर लीग जैसे स्पोर्ट्स इवेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले, उनके खेल में सुधार आए। पीएम मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह एक दिन पहले गंगटोक पहुंचे थे और यहां का माहौल देखकर बेहद खुश हुए। बंगाल चुनाव की व्यस्तता के बाद यहां आकर एक नई अनुभूति मिली। चारों तरफ

उत्सव का माहौल था और मन खुशियों से भर गया। उन्होंने सिक्किम के मौसम और प्राकृतिक सुंदरता को भी तारीफ की और इसे 'पूर्व का स्वर्ग' और 'ऑर्किड्स का गार्डन' बताया। उन्होंने कहा कि सिक्किम की शांति, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव बहुत खास होता है और यह हर किसी को नहीं मिलता। पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि वे सिक्किम जरूर घूमने आए, क्योंकि यहां के लोग प्रकृति के सच्चे ब्रांड एम्बेसडर हैं। प्रधानमंत्री ने सिक्किम के लोगों की सादगी, सौम्यता और मुस्कान को भी सरहना की।

सिक्किम और देश का नाम रोशन किया है। इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हम खेलों, इंडिया और फिट इंडिया जैसे आंदोलन चला रहे हैं। यहां को स्टेट स्पोर्ट्स अकादमी को भी पुनर्जीवित किया गया है। सिक्किम प्रीमियर लीग जैसे स्पोर्ट्स इवेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले, उनके खेल में सुधार आए। पीएम मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह एक दिन पहले गंगटोक पहुंचे थे और यहां का माहौल देखकर बेहद खुश हुए। बंगाल चुनाव की व्यस्तता के बाद यहां आकर एक नई अनुभूति मिली। चारों तरफ

राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत 22 राज्यों के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी कर रिपोर्ट तलब की है। एनएचआरसी के अनुसार लू की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता का सबसे बुरा प्रभाव आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, प्रवासी श्रमिकों और बेघर लोगों

सुनिश्चित करें। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम, सिक्किम, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

यूपी का बांदा दुनिया में सबसे गर्म, पारा 47.6°C

जैसलमेर-खजुराहो का तापमान 46°C
दिल्ली में बस स्टॉप पर ओआरएस मिलेगा
देशभर में हीट स्ट्रोक यूनिट बनेंगी

30 अप्रैल 2022 और 25 अप्रैल 2026 को 47.4एच तापमान रहा था। सोमवार को राजस्थान के जैसलमेर में 46.4°C तापमान दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46एच पहुंच गया, जो पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा है। जैसलमेर-खजुराहो के अलावा देश के 4 शहरों में पारा 46°C या इससे ज्यादा रहा। इनमें बांद्रा 46एच, वर्धा 46.5एच, अमरावती 46.6°C और अकोला 46.3°C शामिल हैं। बढ़ती गर्मी और हीटवेव को देखते हुए केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इधर, दिल्ली में लोगों को गर्मी से निजात देने के लिए बसों में ठंडा पानी रखा जाएगा। बस स्टॉप पर मुफ्त ठंडा पानी और ORS मिलेगा।

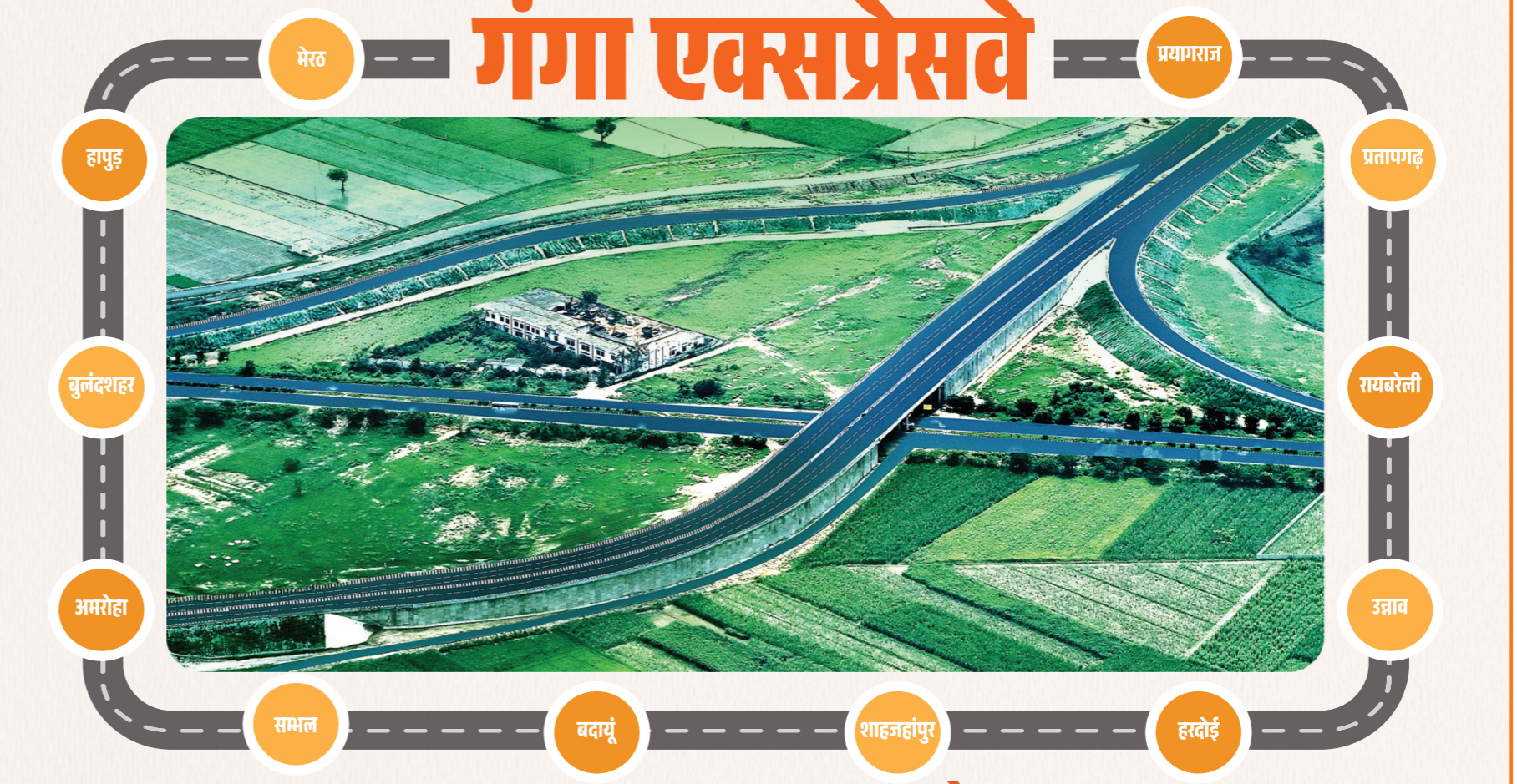
यूरोप यात्रा ने पंजाब के किसानों, उद्योग और युवाओं के लिए नए दरवाजे खोले: मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़, 28 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अपने निदरलैंड-फिनलैंड दौरे का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने कृषि, उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में विश्व भर से मजबूत सहयोग हासिल किया है, जिससे किसानों, युवाओं और राज्य की अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा। जायका कंपनी के 1300 करोड़ रुपए के निवेश, विश्वव्यापी कंपनियों की दिलचस्पी तथा केअकेनहॉफ से फिनलैंड तक उन्नत कृषि-तकनीकी सहयोग पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा



कि ये रणनीतिक साझेदारियां फसल विविधीकरण को तेज करेंगी, निवेश को आकर्षित करेंगी और पंजाब को नवाचार, अनुसंधान एवं विकास तथा उच्च गुणवत्ता वाली खेती के लिए विश्व स्तरीय केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित करेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पहले दिन निदरलैंड में भारत के राजदूत ने पंजाब के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और 19 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल ने विश्व प्रसिद्ध बागवानी मॉडल केअकेनहॉफ का दौरा किया, जहां रोजाना 40,000 पर्यटक आते हैं। वहां हमने प्रतिनिधियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, इस दौरे का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में साझेदारी के अवसरों को पड़ताल करना था। बागवानी के विकास के लिए सहयोग पर चर्चा हुई और पंजाब से गुलाब की निर्यात संभावना का पता लगाया गया। उन्होंने कहा, जायका द्वारा किए जा रहे 1300 करोड़ रुपए के निवेश के अलावा यह समझौता फसल विविधीकरण को बड़ा प्रोत्साहन देने में मुख्य भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इस दौरे का उद्देश्य औद्योगिक निवेश और साझेदारी को प्रोत्साहित करना, शिक्षा और अनुसंधान में आदान-प्रदान को मजबूत करना, प्रौद्योगिकी के पारस्परिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करना तथा पंजाब के समग्र विकास के लिए पंजाब बनाना भी था। उन्होंने आगे कहा, बातचीत के दौरान आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती में संयुक्त परियोजनाओं की संभावना की पड़ताल की गई तथा इस बात पर सहमति बनी कि उच्च मूल्य वाली फसलों और गुणवत्ता युक्त निर्यात उत्पादन के लिए सहयोग किया जाएगा।

मां गंगा-सा विस्तार, सुख-समृद्धि अपार



₹36,230 करोड़
से निर्मित उत्तर प्रदेश के सबसे विराट
594 कि.मी. लम्बे गंगा एक्सप्रेसवे (मेरठ-प्रयागराज) का
लोकार्पण
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी

विस्तार भी-रफ्तार भी : 6 लेन वाले (8 लेन में विस्तारपीयू) गंगा एक्सप्रेसवे से 12 जनपद आच्छादित • डिजाइन स्पीड 120 कि.मी./घंटा, मेरठ से प्रयागराज की दूरी 6 से 8 घंटे में होगी पूरी • हापड़ में गंगा नदी पर 960 मीटर एवं बदायूं में रामगंगा नदी पर 720 मीटर का दीर्घ सेतु • मेरठ एवं प्रयागराज में 2 मुख्य टोल प्लाजा सहित कुल 21 रैम्प इंटरचेंज • पूर्णतः प्रवेश नियंत्रित ग्रीन फील्ड गंगा एक्सप्रेसवे पर एडवांस ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम • लड़ाकू विमानों की आपात लैंडिंग एवं टेक-ऑफ हेतु शाहजहांपुर के समीप 3.50 कि.मी. लम्बी हवाई पट्टी • एक्सप्रेसवे के दोनों ओर 3.75 मी. चौड़ी स्टैगर्ड सर्विस लेन

पंकज चौधरी राज्य मंत्री, वित्त, भारत सरकार	जितिन प्रसाद राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, वाणिज्य एवं उद्योग, भारत सरकार	केशव प्रसाद मोय उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश	ब्रजेश पाठक उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
सुरेश कुमार खन्ना मंत्री, वित्त एवं संसदीय कार्य, उत्तर प्रदेश	असीम अरुण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश	जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता, उत्तर प्रदेश	नरेन्द्र कुमार कश्यप राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), शिक्षण एवं तंत्रा शिक्षण एवं दिव्यांगजन सरकारीकरण, उत्तर प्रदेश
सनी तिवारी राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश	जय प्रकाश सांसद, हरदोई	अशोक कुमार रावत सांसद, मिर्जापुर	अरुण कुमार सागर सांसद, शाहजहांपुर
शकुन सिंह अध्यक्ष, कृषि पंचायत, उदाय	समता यादव अध्यक्ष, कृषि पंचायत, शाहजहांपुर	प्रिया शांका अध्यक्ष, कृषि पंचायत, कन्नौज	अर्चना वर्मा अध्यक्ष, कृषि पंचायत, हरदोई
अर्चना पाण्डेय विधायक, विधानसभा	पंकज गुप्ता विधायक, उदाय	कैलाश रामपूत विधायक, मिर्जापुर	आशुतोष शुक्ल विधायक, भागनगर
अरुण पाठक सदस्य, विधान परिषद	डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह सदस्य, विधान परिषद	इंजी. अरविश कुमार सिंह सदस्य, विधान परिषद	डॉ. सुधीर गुप्ता सदस्य, विधान परिषद
श्रीकान्त कटियार विधायक, सोनभद्र	सलोना कुशवाहा विधायक, तिरुहर	अशोक अग्रवाल सदस्य, विधान परिषद	अशोक द्विवेदी सदस्य, विधान परिषद
राामपाल वर्मा विधायक, बाराबंकी	अनिल कुमार सिंह 'आशु' विधायक, मन्दावा	अनिल कुमार सिंह विधायक, पुरवा	चेतराम विधायक, पुनवा
अलका सिंह 'अर्केश्वरी' विधायक, सीता	बाबा लाल विधायक, सन्धीपुर	बाबा लाल विधायक, सन्धीपुर	डॉ. वीर विक्रम सिंह 'पिंस' विधायक, कटा
हरि प्रकाश वर्मा विधायक, जलनावादा	रुजेश कुमार विधायक, मोकन	डॉ. आकाश अग्रवाल सदस्य, विधान परिषद	

दिनांक : 29 अप्रैल, 2026 | समय : प्रातः 10:00 बजे | स्थान : मल्लावां कट, निकट चैन 351 कि.मी. गंगा एक्सप्रेसवे, तहसील - विलाग्राम, जनपद - हरदोई, उ.प्र.

सुपरफास्ट प्रदेश- उत्तर प्रदेश : 8 एक्सप्रेसवे संवालिंत, 14 विकास के विभिन्न चरणों में • देश के कुल एक्सप्रेसवे का 55% भाग उत्तर प्रदेश में मौजूद • एक्सप्रेसवे के आसपास 26 जनपदों के 27 स्थलों पर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर • औद्योगिक विकास हेतु अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन का क्रियान्वयन • पीएम गति शक्ति को लागू करने वाला अग्रणी राज्य उत्तर प्रदेश • अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत प्रयागराज एवं आगरा में इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापना का कार्य गतिमान • इस्टर्न एवं वेस्टर्न डेवेलपमेंट कॉरिडोर का नव्यन दायी (उत्तर प्रदेश) में स्थित • देश का सबसे बड़ा रेलवे नैटवर्क उत्तर प्रदेश में (16,000 किलोमीटर) • 17 एयरपोर्ट संवालिंत (5 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट), 7 विकास के विभिन्न चरणों में • राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (वारणसी-हल्द्वी) के अयोध्या तक विस्तार का कार्य प्रगति पर

चलती बस में अचानक लगी आग, दो यात्रियों की मौत, कई झुलसे

-बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी बस, टायर फटने से हुआ हादसा



बवानीखेड़ा (एजेंसी)। हरियाणा के बवानीखेड़ा क्षेत्र में सवारियों से भरी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गई और कई यात्री झुलस गए। बस बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी और गांव मिल्कपुर के पास हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 यात्री सवार थे। अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बस जलकर पूरी राख हो गई। मीडिया रिपोर्ट में शुरूआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में दो लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन के करीब लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक दो घायलों का इलाज हांसी के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशहूत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि बस का टायर फटने के बाद वह डीजल टंकी से टकरा गया, जिससे आग लग गई। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच अभी चल रही है। बवानीखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से मिली जमानत

शिलांग (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से जमानत मिल गई है। यह वही मामला है, जिसने इंदौर से लेकर मेघालय तक और पूरे देश में काफी सनसनी फैला दी थी। मामले की शुरुआत एक नवविवाहित जोड़े से जुड़ी दुखद घटना से हुई थी। इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई 2025 को हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद, 21 मई को दोनों हनीमून के लिए शिलांग गए थे। शुरुआत में यह यात्रा सामान्य लग रही थी, लेकिन 23 मई के बाद दोनों के लापता होने की खबर सामने आई, जिससे परिवार और प्रशासन में तिता फैल गई। करीब 10 दिन की खोजबीन के बाद पुलिस को 23 जून 2025 को शिलांग की गहरी घाटी से राजा रघुवंशी का जवा मिले। शव करीब 30 फीट गहरी खाई में मिला और उस पर धारदार हथियार के निशान मिले, जिससे यह साफ हुआ कि मामला दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का है।

नितेश राणे को एक महीने की जेल की सजा, मामले के समय राणे कांग्रेस में थे, इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने का मामला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई। सिंधुदुर्ग कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाकर उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी किया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने एनएचई के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेंडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौकीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर मंत्री राणे नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरें पानी में चलने के लिए मजबूर किया। तब नितेश राणे कांग्रेस में थे। अभी वह भाजपा में हैं और महाराष्ट्र सरकार में मन्त्र्य पालन और बंदरगाह मंत्री हैं।

राहुल गांधी नागरिकता मामले में अब जस्टिस मनीष माथुर करेंगे सुनवाई

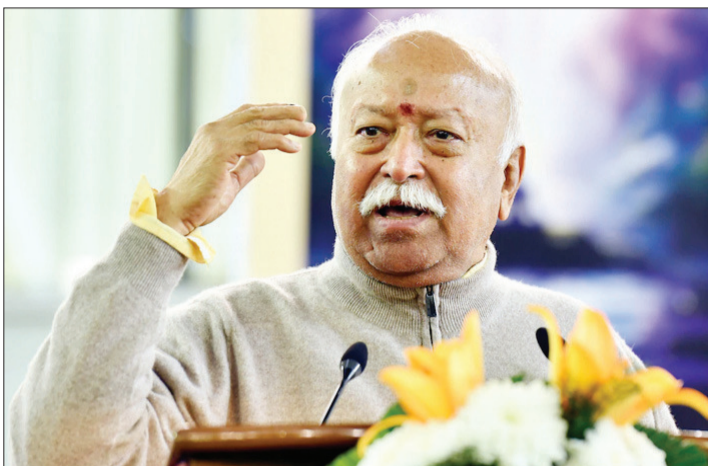
लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अब न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ सुनवाई करेगी। मंगलवार को यह मामला न्यायमूर्ति मनीष माथुर के समक्ष सुनवाई हुआ। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ए. विनेश शिशिर ने कोर्ट से मामले में आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने याची के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख तय की है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एन विनेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एआई आर दर्ज करने की मांग की है। पहले, उनकी याचिका लखनऊ की एमपी-एमएलए अदालत से खारिज हुई थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के पास उन्होंने मौजूदा याचिका दाखिल की थी। इसी 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्याधी ने सुनौती अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने और मामले की जांच कराने का मौखिक आदेश राज्य सरकार को दिया था। अगले ही दिन आए आदेश में अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इसकी लेकर कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में अजब का जिक्र नहीं किया था। इसके बाद नाराज होकर 20 अप्रैल को जस्टिस सुभाष विद्याधी ने इस केस से छुटकारा अलग कर लिया था। याची शिशिर ने बताया कि इसी मामले से संबंधित एक अन्य याचिका भी उन्होंने हाईकोर्ट में दाखिल की है, जिसपर अगले सप्ताह सुनवाई की संभावना है।

सुनवाई के लिए सात मई की तारीख तय की है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एन विनेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एआई आर दर्ज करने की मांग की है। पहले, उनकी याचिका लखनऊ की एमपी-एमएलए अदालत से खारिज हुई थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के पास उन्होंने मौजूदा याचिका दाखिल की थी। इसी 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्याधी ने सुनौती अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने और मामले की जांच कराने का मौखिक आदेश राज्य सरकार को दिया था। अगले ही दिन आए आदेश में अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इसकी लेकर कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में अजब का जिक्र नहीं किया था। इसके बाद नाराज होकर 20 अप्रैल को जस्टिस सुभाष विद्याधी ने इस केस से छुटकारा अलग कर लिया था। याची शिशिर ने बताया कि इसी मामले से संबंधित एक अन्य याचिका भी उन्होंने हाईकोर्ट में दाखिल की है, जिसपर अगले सप्ताह सुनवाई की संभावना है।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरूरत नहीं, यह पहले से ही हिंदू राष्ट्र रहा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में अपने विचार रखे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत की सांस्कृतिक पहचान और राम मंदिर निर्माण को लेकर अहम विचार रखे। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में उन्होंने साफ किया कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई औपचारिक जरूरत नहीं है, क्योंकि यह अपनी प्रकृति और आत्मा से सदैव एक हिंदू राष्ट्र ही रहा है। आरएसएस की एक विज्ञप्ति के मुताबिक उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण भगवान राम की इच्छा से हुआ। भागवत ने इसकी तुलना भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने से करते हुए कहा कि ऐसे कार्य तभी संभव होते हैं, जब सभी का योगदान हो। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब पीएम मोदी के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली, तो लंदन के अखबार ने लिखा कि इस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रतिबद्ध नेतृत्व



के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव था। भागवत ने यह भी कहा कि एक समय हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र कहना उद्देश्य का विषय हुआ करता था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। राम मंदिर बनने तक लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग

कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। उन्होंने कहा कि कई लोग आरएसएस से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने को कहते हैं, लेकिन हम कहते हैं कि जो बात पहले से ही सच है उसे घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है।

मोहन भागवत ने समाज की बदलती मानसिकता पर भी प्रहार किया। उन्होंने याद दिलाया कि उद्देश्य से स्वीकृति तक एक समय था जब भारत को हिंदू राष्ट्र कहना मजाक समझा जाता था। राम मंदिर के निर्माण से पहले लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग स्वीकार करते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। संघ प्रमुख ने उन मांगों का जवाब दिया जो भारत को आधिकारिक तौर पर हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बात करते हैं। उन्होंने दुढ़ता से कहा कि जो बात पहले से ही सच है, उसे बार-बार घोषित करने की क्या जरूरत है? यह कार्यक्रम उन शिल्पकारों और मार्गदर्शकों के सम्मान में था, जिन्होंने मंदिर निर्माण में अपनी भूमिका निभाई। भागवत का यह संबोधन न केवल मंदिर निर्माण की सफलता का उत्सव था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों और उसके स्व को पहचानने का एक आह्वान भी था। उनके मुताबिक मंदिर का अस्तित्व भारत के स्थायित्व और उसकी प्राचीन पहचान के पुनरुत्थान का प्रतीक है।

‘मोदी की गारंटी’ पर आतिशी ने उठया सवाल, दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये नहीं मिले

दिल्ली में सरकार बने एक साल से ज्यादा समय हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। आप नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं से किए गए वादों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ‘मोदी की गारंटी’ पर सवाल उठाकर पूछा कि दिल्ली की महिलाओं को वादा किए गए अब तक क्यों नहीं मिले। आप नेता आतिशी ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की थी कि 8 मार्च 2025, यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर, दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपये भेज दिए जाएंगे। अपने इस वादे को भाजपा ने बड़े स्तर पर प्रचारित भी किया था। लेकिन आतिशी के अनुसार, अब 8 मार्च 2026 भी बीत चुका है और महिलाओं को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली। उन्होंने मोदी की गारंटी को ‘झूठे वादा’ बताकर कहा कि यह दिल्ली की महिलाओं के साथ सीधा धोखा है। आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अन्य राज्यों खासकर पश्चिम बंगाल में जाकर महिलाओं के लिए नई योजनाओं और आर्थिक सहायता के वादे कर रही हैं, जबकि दिल्ली की महिलाओं को अभी तक

कोई लाभ नहीं मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में ही वादे पूरे नहीं हो रहे, तब अन्य राज्यों में किए जा रहे वादों पर कैसे धरोसा किया जाए। इसके अलावा, आतिशी ने महिलाओं से जुड़ी सुविधाओं में कटौत का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं छुट्टी सी बसों में मुफ्त यात्रा करती थीं, लेकिन अब उन्हें ‘पिंक कार्ड’ बनवाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि 100 से 150 मोहल्ले क्लोनिक बंद किए गए हैं, जिससे खासकर महिलाओं और गरीब वर्ग को मुफ्त इलाज और दवाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर भी आतिशी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राज्यसभा सचिवालय की अविश्वसनीयता को असंवैधानिक बताकर कहा कि यह दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन है। उनके अनुसार, सचिवालय और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद इस तरह का विलय स्वीकार्य नहीं है। आतिशी ने अंत में भाजपा पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता हथिलत साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाकर उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी किया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने एनएचई के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेंडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौकीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर मंत्री राणे नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरें पानी में चलने के लिए मजबूर किया। तब नितेश राणे कांग्रेस में थे। अभी वह भाजपा में हैं और महाराष्ट्र सरकार में मन्त्र्य पालन और बंदरगाह मंत्री हैं।

शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर धमाके की नाकाम कोशिश, टीमें जांच में जुटी

धमाके की कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौत, ट्रैक पर मिला शव

पटियाला (एजेंसी)। पटियाला में शंभू हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर कुछ सदिध गतिविधियां देखे जाने के बाद धमाका करने की नायक कोशिश की गई। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर इलाके का मुआयना किया। पटियाला के एएसपी ने बताया कि सोमवार रात पटियाला पुलिस को शंभू-हरियाणा सीमा के पास रेलवे ट्रैक धमाका होने की आशंका सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती जांच से पता चला कि वास्तव में एक बड़ा धमाका करने की एक कोशिश थी। इस कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और उसके शव बरामद हुआ है, जिस शख्स ने धमाका करने की कोशिश की, उसने निहंग सिंह का वेश धारण किया हुआ था। उसकी पहचान जगज्ज सिंह के रूप में हुई है जो तरन तारन के पंजाब खुदगंवा गांव का रहने वाला था। फॉरेंसिक की एक टीम धमाके वाली जगह से नमूने जमा कर रही है ताकि इस्तेमाल किए गए विस्फोटक की पहचान की जा सके। पुलिस हर



पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है। एएसपी ने बताया कि किसी के हाताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। मौके पर सिम कार्ड समेत जो भी साइटेमिक एविडेंस मिला, उसको बरामद करके टेक्निकल टीम, उसने निहंग सिंह का वेश धारण किया हुआ था। उसकी पहचान जगज्ज सिंह के रूप में हुई है जो तरन तारन के पंजाब खुदगंवा गांव का रहने वाला था। फॉरेंसिक की एक टीम धमाके वाली जगह से नमूने जमा कर रही है ताकि इस्तेमाल किए गए विस्फोटक की पहचान की जा सके। पुलिस हर

की कड़ी निंदा करता हूं, जिसके कारण सोमवार रात शंभू के पास दिल्ली-राजपुर रेलवे ट्रैक पर एक कायरतापूर्ण ब्लास्ट की कोशिश हुई। यह साफ है कि कई दिन पहले एक खतरे की जानकारी मिलने के बावजूद, कोई भी एहतियाती कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने लिखा कि यह घटना पुलिस थानों और चौकियों पर कई धमाकों और यहां तक कि स्टेट इंटील्लिजेंस हेडक्वार्टर पर आरपीजी हमले के बाद हुई है। उन्होंने लिखा कि पंजाब के सीएम भगवंत मान, जो गृह मंत्री भी हैं, उन्हें अपनी गहरी नोंद से जानना चाहिए और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। उनका यह लापरवाही रवैया पंजाब को फिर से उस पुराने अधरे दौर में धकेल रहा है, जो बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। बता दें इससे पहले इसी साल जनवरी में भी एएसपी, आरपीएफ जांच में जुटी है। रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मैं उस गंभीर इंटील्लिजेंस विफलता

भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य शक्ति बना, रक्षा बजट में भारी वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में वैश्विक रक्षा समीकरणों में भारत ने अपनी स्थिति और मजबूत की है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया भर में अपनी सेनाओं पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देशों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष दुनिया के कुल सैन्य खर्च में भारत की हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई है। बता दें कि भविष्य की चुनौतियों और ऑपरेशन सिद्ध के अनुभवों को देखते हुए, भारत सरकार ने 2026-27 के केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये

आवंटित किए हैं। इसमें 2.19 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय शामिल है, जिसका उपयोग नए लड़ाकू विमान पनडुब्बियां, मिसाइलें और ड्रोन सिस्टम खरीदने के लिए किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी इस सूची में क्रमशः पहले चार स्थानों पर काबिज हैं। 2025 में भारत का कुल सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया ऑपरेशन सिद्ध था। इस अभियान के

दौरान सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रखने हेतु आपातकालीन आधार पर हथियारों और साजो-सामान की बड़े पैमाने पर खरीद की गई थी। पड़ोसी देशों की बात करे तो चीन 336 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, आर्थिक संकटों से जूझ रहा पाकिस्तान 11.9 अरब डॉलर के खर्च के साथ वैश्विक सूची में 31वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर कुल सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अकेले अमेरिका, चीन और रूस की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत है। यूरोप में भी रूस-यूक्रेन युद्ध और नाटो देशों की

सक्रियता के चलते सैन्य खर्च में 14 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है। भारत अपनी रक्षा रणनीति में अब बदलाव ला रहा है। यद्यपि भारत अभी भी सैन्य हाईवेबर का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है, लेकिन रूस पर इसकी निर्भरता कम हो रही है। सिपरी के आंकड़ों के अनुसार, 2011-15 में भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 40 प्रतिशत रह गई है। भारत अब फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे देशों से आधुनिक तकनीक हासिल कर रहा है।



दाऊद का करीबी इमामफिया सलीम डोला तुर्की से भारत लाया गया, खुफिया एजेंसियां करंगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के बेहद करीबी और कुख्यात इमामफिया सलीम डोला को तुर्की से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। आज सुबह एक विशेष विमान के जरिए उसे दिल्ली के टैक्निकल एयरपोर्ट लाया गया, जहां अब भारतीय खुफिया एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी। सलीम डोला को हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा था। वह दुबई और तुर्की जैसे देशों में छिपकर भारतीय युवाओं तक इस पहुंचाने का एक बड़ा सिंडिकेट चला रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एक बड़ा ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद डोला को भारत लाने का रास्ता साफ हुआ। दिल्ली में पूछताछ पूरी होने के बाद उसे मुंबई पुलिस या नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंप दिया जाएगा। डोला के तार सीधे तौर पर दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से जुड़े हैं। भारत में इस सलवाई का एक बड़ा जैनाल रहा था और उसे वैश्विक सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क में एक बड़ा खिलाड़ी माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, उसका इमामफिया सिंडिकेट सालाना 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का काला कारोबार कर रहा था। भारत के कई हिस्सों में डोला की अवैध इमामफिया और तैब पहले ही पकड़ी जा चुकी है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी था और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उस पर 1 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। सलीम डोला पहले मुंबई और फिर दुबई से अपना पूरा नेटवर्क चला रहा था। भारतीय एजेंसियां पिछले साल से ही इसके कर्तवियों पर कार्रवाई कर रही हैं। अक्टूबर 2025 में डोला के करीबी मोहम्मद सलीम सोहेल शेख को दुबई से भारत लाया गया था। नवंबर 2025 में डोला के बेटे ताहिर डोला समेत परिवार के चार सदस्यों को भी दुबई से लाकर गिरफ्तार किया गया था। इस गिरफ्तारी को इमामफिया ने एक बड़ी चोट मानी जा रहा है।



आप के 7 सांसदों का एनडीए में स्वागत, टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के आप छोड़ने और बीजेपी में शामिल होने को लेकर विपक्षी दल कदम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं बीजेपी और उसके सहयोगी दल उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। इस कड़ी में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने बीजेपी में आने वाले सांसदों का स्वागत किया है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आप से बीजेपी में शामिल हुए 7 राज्यसभा सदस्यों का स्वागत किया। रिजिजू ने कहा कि उन सांसदों ने सदन में न कभी अपशब्दों का प्रयोग किया न अनुशासनहीनता की। यह घटना तब हुई, जब राज्यसभा ने सोमवार को पार्टी पदों की एक नई सूची जारी की, क्योंकि आप के सात सदस्यों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल की घोषणा की थी।



इस बदलाव से सदन में बीजेपी का प्रतिनिधित्व 107 से बढ़कर 113 हो गया, जबकि आप का प्रतिनिधित्व घटकर तीन बचा। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पोस्ट कर लिखा कि राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 7

आप सांसदों के बीजेपी में आना स्वीकार किया है। अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं।

संसद में इन सभी सांसदों के आचरण की प्रशंसा कर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 सांसदों ने कभी अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया है और न ही कभी किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या असंवेद्य आचरण का प्रदर्शन किया है। एनडीए में आपका स्वागत है और टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा। क्या कहता है दल बदल कानून सचिवालय की दसवीं अनुसूची के अनुसार, इस 1985 में 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था, सदस्य दल-बदल नहीं कर सकते, हालांकि, विलय के लिए अपवाद है। यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई निर्वाचित सदस्य किसी अन्य पार्टी में विलय करने के लिए सहमत होते हैं, तब वे अयोग्य नहीं उधाराए जाते, न ही वे सदस्य अयोग्य उधाराए जाते हैं जो मूल पार्टी में बने रहने का विकल्प चुनते हैं।

नई दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुई आप सांसाद स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में मंगलवार को एक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। जहां आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गईं। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में भाजपा नेताओं की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद रहे। बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। अपने बयान में उन्होंने यह दावा किया कि जब वे दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत थीं, तब उन्होंने निष्पक्ष तरीके से काम किया और उस दौरान उन्हें विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन है।

जयपुर में तेज आंधी से हवाई यातायात हुआ अस्त-व्यस्त, कई उड़ानें डायवर्ट और यात्री घंटों परेशान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बीती रात मौसम के अचानक बदले मिजाज ने हवाई यातायात को पूरी तरह पटरी से उतार दिया। शहर में आई भीषण आंधी और धूल के गुबार के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) इस कदर गिर गई कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग करना असंभव हो गया। इस प्राकृतिक व्यवधान के कारण तीन प्रमुख उड़ानों को दूसरे शहरों की ओर मोड़ना पड़ा, जबकि कई अन्य विमान ईंधन और सुरक्षा की चिंता के बीच घंटों आसमान में चकर काटते रहे।



एक्सप्रेस और अहमदाबाद से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-7131) को दिल्ली एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। इन उड़ानों के डायवर्ट होने से यात्रियों को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी, क्योंकि वे अपने गंतव्य के बजाय दूसरे शहरों में फंस गए। जो विमान डायवर्ट नहीं हुए, उनके यात्रियों की भी सांसें अटकती रहीं। मुंबई से आई एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-413) करीब एक घंटे तक और गुवाहाटी से आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-749) करीब पौने घंटे तक जयपुर के आसमान में चकर काटती रहीं। ईंधन की

सीमित मात्रा और खराब मौसम के बीच पायलट लगातार एटीसी के संपर्क में रहे और मौसम साफ होने का इंतजार करते रहे। इस अनिश्चितता के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में 3 से 5 घंटे की अतिरिक्त देरी का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट परिसर में भी परिजनों का इंतजार लंबा होता गया, जिससे तनाव की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार, अचानक आए पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई थी, जिसने रनवे पर दृश्यता को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया। एयरपोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों को सुरक्षा के भेदनजर ही लैंडिंग के बजाय डायवर्जन का कटिदन निर्णय लिया गया। इस घटना ने एक बार फिर पी-मानसून सीजन में हवाई यात्रा की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। फ्लिहाल जयपुर एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य हो गया है, लेकिन अधिकारियों ने यात्रियों को अपनी फ्लाइट का स्टैटस चेक करके ही घर से निकलने की सलाह दी है।



स्नैबिट को सीरीज-डी में मिले 5.6 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली ।

घरेलू सेवाएं प्रदान करने वाले मंच स्नैबिट ने मंगलवार को सीरीज-डी वित्त पोषण दौर में 5.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 530 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। इस नए निवेश से कंपनी अपने बही-खाते को मजबूत करने, छोटे बाजारों में विस्तार करने और जल्द ही नई सेवा श्रेणियों में प्रवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इस वित्त पोषण दौर का सह-नेतृत्व सस्केहाना वेंचर कैपिटल, मिराए एसेट वेंचर इन्वेस्टमेंट्स के यूनिफॉर्म ग्रोथ फंड और बॉट्लेसमैन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स ने किया। मौजूदा निवेशकों नेक्सस वेंचर पार्टनर और लाइटस्पीड ने भी इस महत्वपूर्ण दौर में भाग लिया। इस ताजा निवेश के साथ स्नैबिट ने अब तक कुल 11.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पूंजी जुटाई है। गौरतलब है कि सीरीज-डी वित्त पोषण किसी भी स्टार्टअप या कंपनी के लिए पूंजी जुटाने का एक उन्नत एवं परिपक्व चरण माना जाता है, जो उसकी स्थिरता और विकास क्षमता को दर्शाता है।

बागमाने प्राइम ऑफिस रीट का

3,405 करोड़ का आईपीओ 5 मई को

एंकर निवेशकों के लिए 4 मई निर्धारित, अधिग्रहण में होगा फंड का उपयोग



नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश का एक नया अवसर पैदा करते हुए, ब्लैक स्ट्रीन समर्थित बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी (आरईआईटी) अपना बहुप्रतीक्षित 3,405 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 मई को निवेशकों के लिए खोलेगा। यह निर्गम 7 मई को बंद हो जाएगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक 4 मई को अपनी बोली लगा पाएंगे। यह प्रस्तावित आईपीओ 2,390 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों की पेशकश और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,015 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का एक संयोजन है। इस निर्गम से जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी बंगलुरु स्थित बागमाने कैपिटल टेक पार्क में लगभग 10 लाख वर्ग फुट के लक्कर के अधिग्रहण तथा बागमाने रियो में 93 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए आंशिक रूप से करेगी, जिससे इसके पोर्टफोलियो का विस्तार होगा। बंगलुरु स्थित यह रीट निवेशकों को वाणिज्यिक रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में निवेश का अवसर प्रदान कर रहा है।

टाटा ट्रेट का निवेशकों को तोहफा, बोनस शेयर और डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट तय

कंपनी ने पहली बार 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की अग्रणी रिटेल कंपनी ट्रेट लिमिटेड ने अपने निवेशकों को दोहरी खुशी दी है। कंपनी ने बोनस शेयर जारी करने और प्रति शेयर 6 रुपये का डिविडेंड देने के लिए रिकॉर्ड डेट्स की घोषणा कर दी है, जिससे शेयरधारकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। ये फैसले कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बाद आए हैं। ट्रेट लिमिटेड ने अपने पहले बोनस इश्यू के लिए शुक्रवार 29 मई को रिकॉर्ड तारीख तय की है। यह बोनस 1:2 के अनुपात में दिया जाएगा, जिसका अर्थ है कि निवेशकों को उनके हर दो मौजूदा इक्विटी शेयरों पर एक अतिरिक्त बोनस इक्विटी शेयर मिलेगा। यह प्रस्ताव अभी नियामक और शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के रजिस्टर्ड या लाभकारी मालिकों की सूची में शामिल निवेशक ही इन बोनस शेयरों के लिए पात्र होंगे। कंपनी कुल 17.77 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी करेगी, जिनकी फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर होगी।

एनडीएफ सहित बड़े विदेशी लेन-देन पर रहेगी नजर बैंकों को देनी होगी जानकारी

आरबीआई के नए नियम जुलाई से लागू होंगे, जुलाई 2028 तक विदेशी डेरिवेटिव डेटा की रिपोर्टिंग अनिवार्य

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये की स्थिरता सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब विदेशी बाजारों में होने वाले रुपये से जुड़े डेरिवेटिव सौदों पर भी उसकी सीधी निगरानी रहेगी। यह कदम रुपये की ग्लोबल ट्रेंडिंग को मजबूत करने और उसकी वास्तविक कीमत बेहतर ढंग से तय करने के मकसद से उठाया गया है। नए नियमों के तहत, नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ)

जैसे विदेशी रुपये-आधारित डेरिवेटिव अनुबंध भी ऋद्ध को दायरे में आ जाएंगे। अब तक निगरानी केवल घरेलू बाजार तक सीमित थी, लेकिन अब विदेशी लेन-देन भी शामिल होंगे। आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अपने समूह और विदेशी सहयोगी कंपनियों के सभी महत्वपूर्ण ऑफशोर लेनदेन की विस्तृत जानकारी, जैसे मूल्य, परिपक्वता और काउंटरपार्टी, आरबीआई को दें। इससे रुपये पर दबाव के स्रोतों और संभावित जोखिमों को समझने में मदद मिलेगी। यह नई व्यवस्था जुलाई



2027 से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी और जुलाई 2028 तक अधिकांश विदेशी डेरिवेटिव डेटा की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो जाएगी,

जिससे पूरा सिस्टम पारदर्शी बनेगा। छोटे लेन-देन और बैंक-टू-बैंक सौदों को रिपोर्टिंग से छूट दी गई है।

वित्त वर्ष 27 की कमाई पर मंडराया संकट तेल की कीमतें बनी चिंता

भू-राजनीतिक तनाव और 100 डॉलर से ऊपर कच्चा तेल

नई दिल्ली । भारतीय कंपनी जगत के लिए आने वाले वित्त वर्ष 2026-27 की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में विश्लेषकों ने कटौती करनी शुरू कर दी है। इसके पीछे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष और कच्चे तेल की लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई कीमतें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कारकों का पूरा असर अभी सामने नहीं आया है, और यह अगली कुछ तिमाहियों में कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय

कंपनियों की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में कमी की है। निर्यात इंडिया एसेट मैनेजमेंट के एंड्रयू हॉलैंड को खाड़ी युद्ध से पहले 10-12 फीसदी वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब युद्ध के लंबा खिंचने पर 6-10 फीसदी तक घट सकती है। उनका मानना है कि कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का वास्तविक असर अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है। वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतें लगभग 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई हैं, जिसका मुख्य कारण अमेरिका और ईरान

के बीच शांति वार्ता में गतिरोध है। विशेषज्ञों का मानना है कि हॉर्मुज स्ट्रेट में किसी भी बाधा की स्थिति में तेल की कीमतें 90-100 डॉलर प्रति बैरल पर ऊंची बनी रह सकती हैं, हालांकि स्ट्रेट खुलने पर तेजी से गिरावट भी आ सकती है। तेल की कीमतों का प्रभाव कमाई पर दिखने में समय लगेगा और यह एक तिमाही तक बना रह सकता है। विशेषज्ञों ने भी पश्चिम एशिया की जंग के चलते वित्त वर्ष 2027 में कंपनियों की कमाई में बढ़ोतरी को लेकर जोखिमों का इशारा किया है। उनका अनुमान है कि संघर्षविराम के बावजूद,

आपूर्ति में रुकावटें और ऊंची लागत अगले कुछ महीनों तक बनी रहेगी, और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने में तीन से चार महीने लग सकते हैं। हालांकि एक विश्लेषण के अनुसार मार्च 2026 की तिमाही के नतीजे घोषित करने वाली 141 कंपनियों का शुद्ध लाभ (असाधारण मदों को समायोजित करने के बाद) सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़ है, जो पिछली 10 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह मौजूदा मजबूत प्रदर्शन और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच के अंतर को दर्शाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

संसेक्स 417 निप्टी 97 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर जारी संशय के कारण कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर

आधारित बीएसई संसेक्स 416.72 अंकों टूटकर 76,886.91 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निप्टी 97 अंक नीचे आकर 23,995.70 पर पहुंच गया। वहीं आज व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निप्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.42 फीसदी और निप्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.28 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो निप्टी ऑयल एंड गैस और निप्टी मेटल

को छोड़कर तकरीबन सभी सेक्टरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए।

सबसे ज्यादा गिरावट निप्टी पीएसयू बैंक और निप्टी ग्राइवेट बैंक में रही। इसके अलावा निप्टी ऑटो भी नीचे आया। निप्टी के शेयरों की बात करें तो एक्सिस बैंक, मारुति, एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज-ऑटो, एसबीआई और इफोसिस के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। दूसरी ओर ओएनजीसी, अदाणी

एंटरप्राइजेज और कोल इंडिया के शेयरों में बढ़त रही। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, इटरनल और टाटा स्टील के शेयर भी उछलकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार को गिरावट के साथ शुरूआत हुई। संसेक्स 200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,094 पर खुला। वहीं निप्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,049 पर खुला। जबकि सोमवार को यह 24,100 के ऊपर बंद हुआ था।

रिलायंस विशाखापत्तनम में बनाएगी भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर

1.6 लाख करोड़ का करेगी निवेश, देश को डेटा और एआई अर्थव्यवस्था में मिलेगी निर्णायक बढ़त

मुंबई ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक मंच पर भारत की धमक बढ़ाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। कंपनी आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 1.6 लाख करोड़ रुपये का विशाल निवेश कर एक अत्याधुनिक एआई डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करने जा रही है, जो देश को डेटा और एआई अर्थव्यवस्था में निर्णायक बढ़त दिलाएगा। यह क्लस्टर, जिसकी क्षमता गूगल के 1 गीगावॉट डेटा सेंटर से भी अधिक होगी, रिलायंस की तकनीकी क्षेत्र में बढ़ती महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। इसका उद्देश्य भारत को डेटा और एआई के वैश्विक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाना है। 935 एकड़ में फैले इस मेगा प्रोजेक्ट को तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 500 मेगावॉट क्षमता का डेटा सेंटर अक्टूबर 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसे बाद में 1 गीगावॉट तक बढ़ाया जाएगा। इसमें केबल लैंडिंग स्टेशन और डीसैलीनेशन प्लांट भी शामिल होंगे। विशाखापत्तनम, जो तेजी से डेटा सेंटर हब के रूप में उभर रहा है, भोगापूरम एयरपोर्ट के पास इस प्रोजेक्ट की मेजबानी करेगा। कनेक्टिविटी के साथ-साथ, रिलायंस इसमें 51,300 करोड़ रुपये का निवेश ग्रीन एनर्जी पर भी कर रही है, जिसमें 9000 मेगावॉट पीक सोलर क्षमता शामिल है। यह पहल भारत के डिजिटल भविष्य के लिए एक स्थायी और आत्मनिर्भर नींव रखेगी।

नोएडा एयरपोर्ट को मिली बीसीएएस सुरक्षा की हरी झंडी उड़ानें जल्द होंगी शुरू

सुरक्षा कार्यक्रम को मिली मंजूरी, वाणिज्यिक उड़ानों की तारीख तय करने की कवायद तेज

नोएडा ।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को अपने उड़ान संचालन शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने हवाई अड्डे के सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) को अपनी हरी झंडी दे दी है। यह मंजूरी जेवर स्थित इस नए हवाई अड्डे के जल्द ही वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करने की उम्मीदों को बल देती है, जैसा कि मंगलवार को जारी एक बयान में हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बताया।

बीसीएएस की यह स्वीकृति पुष्टि करती है कि हवाई अड्डे का सुरक्षा ढांचा और सभी प्रक्रियाएं नियामक आवश्यकताओं के पूरी तरह अनुरूप हैं। मंजूरी मिलने के बाद हवाई अड्डा अब विमानन कंपनियों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने की सटीक तारीख निर्धारित करने की कवायद में जुट गया है। प्रबंधन का मुख्य ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि सभी प्रणालियां, प्रक्रियाएं और कर्मचारी सुरक्षित, कुशल एवं सुचारु संचालन के लिए पूरी तरह से



तैयार हों। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में विकसित हो रहा यह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को इसका उद्घाटन किया था। एक

बार परिचालन शुरू होने के बाद, यह हवाई अड्डा दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) पर यात्रियों के दबाव को कम करने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में उभरने की उम्मीद है।

भारत-न्यूजीलैंड का ऐतिहासिक व्यापार करार साल के अंत तक होगा लागू

भारत को न्यूजीलैंड में 100 फीसदी शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच 20 अरब डॉलर एफडीआई का वादा

नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड ने एक ऐतिहासिक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार के साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और श्रमिकों की आवाजाही में क्रांतिकारी बदलाव आने की संभावना है। यह समझौता भारत को न्यूजीलैंड के बाजार में 100 फीसदी शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा, साथ ही अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का मार्ग प्रशस्त करेगा और श्रमिकों की आसान आवाजाही की सुविधा देगा। न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैकले ने भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि यह करार कल न्यूजीलैंड की संसद में विश्लेषण के साथ पेश किया जाएगा। इसके बाद इसे प्रवर समिति को भेजा जाएगा, जहां आम जनता अपनी राय दे सकेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधेयक जल्द पारित होगा और साल के अंत तक समझौता लागू कर दिया जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को एक वास्तव में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि एफटीए भारत में अधिक निवेश, बाजार

तक व्यापक पहुंच और सेवाओं में मजबूत सहयोग के माध्यम से सभी क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करेगा, जिससे दोनों देशों की साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। यह पिछले पांच वर्षों में भारत द्वारा किया गया सातवां एफटीए है, इससे पहले मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के देशों, ब्रिटेन और ओमान के साथ ऐसे करार किए जा चुके हैं। इस समझौते के लागू होने से भारतीय कपड़ा, परिधान, चमड़ा, कालीन, सिरैमिक, इंजीनियरिंग सामान और वाहन कल्पुर्जा जैसे क्षेत्रों को 100 फीसदी उत्पादों पर शुल्क हटाए जाने से तत्काल लाभ मिलेगा। भारत लगभग 70 फीसदी उत्पादों के लिए शुल्क मुक्त बाजार खोलेगा, हालांकि संवेदनशील क्षेत्रों जैसे डेयरी, चीनी और खाद्य तेलों को सुरक्षा दी जाएगी। सेब, कीवी फल और शहद का आयात कोटा सीमा, न्यूनतम कीमतें और सुरक्षा शर्तों के तहत ही किया जाएगा। न्यूजीलैंड के सेबों को अप्रैल से अगस्त तक रियायती शुल्क का लाभ मिलेगा, जिसमें कोटा के भीतर शुल्क 50 फीसदी से घटाकर 25 फीसदी किया जाएगा और इसका न्यूनतम आयात मूल्य 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम से अधिक होना चाहिए।

धूत ट्रांसमिशन ने मल्टीलिंक का अधिग्रहण कर ईवी सेगमेंट में पैठ बढ़ाई

मुंबई ।

बेन कैपिटल समर्थित धूत ट्रांसमिशन ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बंगलुरु स्थित मल्टीलिंक का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि यह कदम दोपहिया व तिपहिया वाहनों में बढ़ते विद्युतीकरण के रुझान का लाभ उठाने की रणनीति के अनुरूप है। मल्टीलिंक दोपहिया एवं तिपहिया मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के लिए विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाती है। धूत ट्रांसमिशन के प्रबंध निदेशक ने इस अधिग्रहण को एक रणनीतिक कदम बताया, जिससे मल्टीलिंक के उत्पाद खंड और ग्राहकों के साथ उसके लंबे समय से संबंध धूत के लिए फायदेमंद होंगे। यह अधिग्रहण धूत को तेजी से बढ़ते दोपहिया व तिपहिया क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा, जहां विद्युतीकरण और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री की बढ़ती मांग संरचनात्मक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। हालांकि, सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया गया है। धूत ट्रांसमिशन की वैश्विक स्तर पर 20 विनिर्माण इकाइयां हैं, जो डिजाइन, इंजीनियरिंग और विनिर्माण कार्यों में संलग्न हैं।

आर्थिक चुनौतियों से लड़ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार जरूरी मुख्य आर्थिक सलाहकार

पश्चिम एशिया में अस्थिरता और उच्च ऊर्जा कीमतों के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने देश की अर्थव्यवस्था को बाहरी चुनौतियों, खासकर पश्चिम एशिया में अस्थिरता और उच्च ऊर्जा कीमतों से बचाने के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा व्यवधानों से छोटे किसानों, सूक्ष्म-उद्यमियों और दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों पर पड़ने वाले सबसे बुरे प्रभावों को कम करने के लिए अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धामकता बढ़ाना आवश्यक है। नीति आयोग के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर 2047 रोडमैप की रिपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, नागेश्वरन ने कहा कि डीपीआई को भारत के दीर्घकालिक विकास की

आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ एक वितरित आर्थिक मजबूती बनाने के उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह मजबूती किसी भी खुली अर्थव्यवस्था के लिए तब आवश्यक होती है जब बाहरी वातावरण प्रतिकूल हो। भारत अभी भी आयातित जीवाश्म ईंधनों पर भारी निर्भर है, जबकि ऊर्जा की मांग वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना बढ़ चुकी है। इन आर्थिक दिक्कतों की भरपाई अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता व प्रतिस्पर्धामकता में वृद्धि से होनी चाहिए।

केंद्र के आधिकारिक नीति थिंक टैंक, नीति आयोग ने डीपीआई 2.0 प्रस्तुत किया, जो वित्तीय समावेशन के अलावा बुद्धक कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऋण और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों तक देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को



विस्तारित करने का दस-वर्षीय प्रयास है। इस उत्पादकता-केंद्रित फ्रेमवर्क का उद्देश्य 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था को हासिल करने के लिए घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यदि यह सफल होता है, तो 2030 तक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान अभी के लगभग 1 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत हो सकता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि यदि विश्वास

की लागत कम की जाती है, डेटा को आम लोगों तक पहुंचाया जाता है, एआई को क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने योग्य बनाया जाता है और बाजार लिंक को खुले नेटवर्कों से जोड़ा जाता है, तो दशकों में होने वाला विकास एक दशक में ही हासिल किया जा सकता है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने भी इस अवसर पर कहा कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल समय के साथ सामान्यीकृत हो जाएंगे।

डिजिटल डॉलर से ग्लोबल बैंकिंग में मूचाल बैंकों की कमाई पर खतरा!

रेगिटेड और विदेशी मुद्रा बाजारों पर भी असर, आम आदमी के लिए सस्ता होगा लेनदेन

नई दिल्ली ।

अमेरिका अपने डॉलर को डिजिटल अवतार में पेश करने की तैयारी में है, जिसका वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर गहरा असर पड़ने वाला है। इस स्टेबलकॉइन के आने से दुनिया भर के केंद्रीय और व्यावसायिक बैंकों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इससे उनकी कमाई का एक बड़ा जरिया प्रभावित होगा। गोल्डमैन सैस ने इस कदम को एक आर्थिक तुफान करार दिया है, जो बैंकिंग, विदेशी मुद्रा बाजार और भारत जैसे बड़े रेगिटेड बाजारों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करेगा। बैंकों की आय का एक अहम हिस्सा विदेशी फंड ट्रांसफर और करेंसी कन्वर्जन पर लगने वाले शुल्क से आता है, लेकिन डिजिटल डॉलर के प्रचलन से ये शुल्क लगभग नगण्य हो जाएंगे। यह डिजिटल मुद्रा 24 घंटे उपलब्ध होगी, जिससे आम आदमी के लिए अंतरराष्ट्रीय लेनदेन सस्ता और सुलभ हो जाएगा। अमेरिकी प्रशासन 2027 से जीनियस एक्ट को लागू करने की तैयारी में है। इसके तहत फेडरल डिपॉजिट इश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने यूएस डिजिटल एसेट रेगुलेशन और स्टेबलकॉइन के लिए नए नियमों को मंजूरी दे दी है, जो इस वित्तीय बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यह कदम निश्चिंत रूप से वैश्विक बैंकिंग और वित्तीय लेनदेन के भविष्य को नया आकार देगा।

डीजल में अल्कोहल और कर्मशियल एलपीजी में डीएमई का होगा मिश्रण

आयात निर्भरता घटाने को बीआईएस बना रहा गुणवत्ता



नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बीच, भारत सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए ब्लेंडेड डीजल और कर्मशियल एलपीजी की शुरुआत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) इन वैकल्पिक इंधनों के लिए गुणवत्ता मानकों को अंतिम रूप देने में तेजी से काम कर रहा है। डीजल में मिलेगा 10 फीसदी आइसोब्यूटाइल अल्कोहल-डीजल में 10 फीसदी आइसोब्यूटाइल अल्कोहल (आईबीए) मिलाने के मानकों को बीआईएस अंतिम रूप दे रहा है। अनाज से बनने वाला यह ज्वलनशील लिक्विड, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने के साथ ही किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया बाजार देगा। रिफाइनरियों और ट्रांसपोर्ट उद्योग के सुझावों पर आधारित यह

मानक 15 जून 2026 तक जारी होने की उम्मीद है। इसी क्रम में, कर्मशियल उपयोग के लिए डाइमिथाइल ईथर (डीएमई) मिश्रित एलपीजी के मानकों को भी अंतिम रूप दिया गया है, जिसके 15 मई तक अधिसूचित होने की संभावना है। प्राकृतिक गैस, कोयला या बायोमास से बनने वाला यह मिश्रण केवल होटल, रेस्टोरेंट व उद्योगों जैसे मानकों को संभलाने के लिए होगा, घरेलू सिलेंडरों के लिए नहीं, क्योंकि डीएमई फिलहाल खाना पकाने के लिए उपयुक्त नहीं माना गया है। सरकार का यह कदम होमुज स्ट्रेट जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की चिंताओं के मद्देनजर ऊर्जा संकट से निपटने की भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इन उपायों से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और एशियाई देशों पर पश्चिम एशिया संकट का असर कम करने में मदद मिलेगी।

अमेरिका और ईरान अस्थायी युद्ध विराम के दौरान नाजुक संतुलन और भविष्य की अनिश्चितता



किशन सनमुखदास भवानी

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है, बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल मू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश, यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती। यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ फोर्स) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूर्वभास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भवानी गौदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दर्शाता है कि वांशिंगटन इस क्षेत्र को अत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स, मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर्स और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

निर्णय, और हर प्रतिक्रिया वैश्विक शांति और स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।

अमेरिका तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देना सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं, क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन या वास्तव में युद्ध की तैयारी? वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है, बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल मू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश, यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती। यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ फोर्स) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूर्वभास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भवानी गौदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दर्शाता है कि वांशिंगटन इस क्षेत्र को अत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स, मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर्स और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

गहरी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इस विराम का पालन करने की प्राथमिकता जताई है, लेकिन साथ ही दोनों ही पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कड़े रुख पर बने हुए हैं। विशेषकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के संकट और अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाज टोस्का की ज्वती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अमेरिका पर आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका इसे हॉर्मुज जलडमरूमध्य में वैश्विक तेल परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता भी फिलहाल गतिरोध में है। इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली वार्ता में ईरान ने अमेरिका की हालिया कार्रवाइयों को अस्वीकार्य बताते हुए अंतिम निर्णय पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। इस असमंजसपूर्ण स्थिति में, वार्ता न केवल स्थगित हुई है बल्कि इसका भविष्य भी अनिश्चित है। ईरान को तर्क है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी और अमेरिकी जहाजों की ज्वती जैसी घटनाओं को समाधान नहीं मिलता, तो कोई दीर्घकालिक समझौता संभव नहीं है। वहीं, अमेरिका ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखें और जल मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कोई समझौता छोड़ने के मूड में नहीं हैं। साथियों बात अगर हम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभी बयान की करें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर ईरान ने अस्थायी युद्ध विराम का उल्लंघन किया या अमेरिकी हितों पर हमला किया, तो अमेरिका कट्टर सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं

होगा। इस प्रकार, अमेरिका का दृष्टिकोण इस क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बनाए रखने और ईरान को समझौते के लिए बाध्य करने का रहा है हॉर्मुज जलडमरूमध्य का संकट, जो विश्व तेल बाजार के लिए संवेदनशील है, वर्तमान तनाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। ईरान की नाकाबंदी ने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका ने इस जलडमरूमध्य को खोलने के लिए न केवल कूटनीतिक दबाव बढ़ाया है, बल्कि युद्ध विकल्पों पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। इस बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी हमला हुआ, तो वे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। यह स्थिति पूरी तरह से अस्थायी युद्ध विराम की स्थिरता को चुनौती दे रही है। इस तरह का तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। तेल की बढ़ती कीमतें, व्यापार में व्यवधान और क्षेत्रीय सैन्य तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की भूमिका इस संकट में नई गहराई जोड़ रही है इसको समझने की करें तो, ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात करने रूस जा रहे हैं, ताकि मिडिल ईस्ट के हालात और हॉर्मुज की नाकाबंदी पर चर्चा की जा सके। यह कदम न केवल ईरान की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत है कि ईरान अमेरिका के एकतरफा दबाव को अस्वीकार करते हुए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाना चाहता है। रूस की मध्यस्थता संभावित रूप से अस्थायी युद्ध विराम को स्थिर करने और दोनों पक्षों को बातचीत की मज पर वापस लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इस कदम से यह

भी साफ होता है कि ईरान वैश्विक शक्ति संतुलन के दृष्टिकोण से अपने विकल्पों का विस्तार करना चाहता है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम हो और मध्यस्थ देशों के माध्यम से सटीक रूप से दबाव संतुलित किया जा सके। साथियों हालांकि, स्थिति अत्यंत नाजुक है। 27 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार, अस्थायी युद्ध विराम टूटने की कगार पर है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी, जहाजों की ज्वती और अमेरिका की सैन्य दबाव नीति ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है। पाकिस्तान की मध्यस्थता और रूसी कूटनीतिक प्रयास फिलहाल गतिरोध में हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस तनावपूर्ण दौर में किसी भी पक्ष की जल्दबाजी एक व्यापक सैन्य संघर्ष की चिंगारी पैदा कर सकती है। अमेरिका और ईरान दोनों ही अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख पर बने हुए हैं, जिससे वार्ता में किसी भी प्रकार के तत्काल समाधान की संभावना कम दिख रही है। इस तनाव का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। साथियों अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्ध विराम का भविष्य पूरी तरह अनिश्चित है। अगर ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान नहीं निकला, तो हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य संघर्ष और तेल आपूर्ति में व्यवधान, विश्व बाजार में अप्रत्याशित अस्थिरता ला सकते हैं। दूसरी ओर, अगर रूस और पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा पाए, तो युद्ध विराम को स्थिर किया जा सकता है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, अमेरिका और ईरान का अस्थायी युद्ध विराम एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ है, जो किसी भी समय बदल सकता है, और इसकी सफलता पूरी तरह से दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय दबाव और क्षेत्रीय सैन्य रणनीति पर निर्भर करती है। अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान तनाव और अस्थायी युद्ध विराम, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह दिखाता है कि मध्यपूर्व में सैन्य और कूटनीतिक संतुलन बेहद संवेदनशील है, और किसी भी छोटे कदम या गलती से बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की श्रृंखला शुरू हो सकती है। 27 अप्रैल 2026 तक का यह चरण न केवल अमेरिका और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों का परीक्षण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह एक चुनौती है कि वह मध्यस्थता, कूटनीति और दबाव की संतुलित रणनीति अपनाए, ताकि मिडिल ईस्ट में स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संपादकीय

हास्य पर बंदिश

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने दे' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उल्था मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफ़ी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह, यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्यपूर्ण असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाढ़े-बग़ाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएँ सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता - फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अक्सर कबीरदास की यह उक्ति दोहरावी जाती है - 'निन्दक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियाँ बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य ईशान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरू जैसे नेता काट्टीनिस्टों की तल्लख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीरे-धीरे राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं को इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने को मजबूर किया गया।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटीली बनाई। पोटीली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं। ह चोर के पास आए और पोटीली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटीली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया। उसने प्रार्थना करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंदा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

प्रचंड गर्मी का कहर: लू के थपेड़ों से झुलसता देश, राहत की आस में टकटकी लगाए लोग



कालिला मांडोत

देश के बड़े हिस्से में इस समय भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाते शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों तक तापमान लगातार बढ़ रहा है और आम जनजीवन पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं, जहां तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक विकट होने की संभावना जताई गई है।

बिहार में गर्मी ने अप्रैल के महीने में ही जून जैसी स्थिति पैदा कर दी है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि मौसम का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, पटना, अरवल और जहानाबाद जैसे जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज गर्मी हवाएँ चलने और तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। दिन के समय सड़कों पर निकलना किसी

चुनौती से कम नहीं रह गया है। लोग जरूरी काम के बिना घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं और जो निकल रहे हैं, वे सिर पर गमछ या टुपड़ा लपेटकर ही बाहर जा रहे हैं। पटना सहित कई शहरों में तापमान 41 डिग्री के पार जा चुका है, जबकि बक्सर में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। रोहतास के डेहरी, गया, शेखपुरा और अरवल जैसे क्षेत्रों में भी तापमान 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इस तरह की स्थिति न केवल असहज है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह मौसम बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है। हालांकि मौसम विभाग ने उत्तर और उत्तर-पूर्वी बिहार के कुछ हिस्सों में थोड़ी राहत की संभावना जताई है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, बलिया, मधुबनी, सुपौल, शिवहर और किशनगंज में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। लेकिन यह राहत सीमित और अस्थायी ही मानी जा रही है, क्योंकि पूरे राज्य में गर्मी का प्रभाव अभी बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में भी हालात कम चिंताजनक नहीं हैं। यहां भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लू का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है, जहां बांदा जिले का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। प्रयागराज भी 43.7 डिग्री के साथ पीछे नहीं है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों में हीट वेव की चेतावनी जारी की है और कहा है कि 25 अप्रैल तक तापमान में लगातार वृद्धि होती रहेगी। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 अप्रैल के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय

हो सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन तब तक लोगों को इस प्रचंड गर्मी का सामना करना ही पड़ेगा। देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों में भी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है और लू के थपेड़े लोगों को दिन के समय घरों में रहने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा जाता है और केवल जरूरी काम से ही लोग बाहर निकलते हैं। इस बढ़ती गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। जल स्रोत सूखने लगे हैं और पक्षियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कई सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखकर राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। गर्मी के इस प्रकोप ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी न होने दें, हल्का और ठंडा भोजन करें और तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। जलवायु परिवर्तन भी इस तरह की चरम मौसम स्थितियों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल तापमान में बढ़ोतरी और हीट वेव की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। यह केवल एक मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या का संकेत है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।



सरकार और प्रशासन भी इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। कई जगहों पर हीट एक्शन प्लान लागू किया गया है, जिसमें लोगों को जागरूक करने, पानी की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। लेकिन इस चुनौती का सामना केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जागरूकता और सहयोग से ही किया जा सकता है। गर्मी के इस दौर में जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी हो गया है। दिनचर्या को इस तरह से ढालना होगा कि शरीर पर गर्मी का असर कम से कम पड़े। सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटने की कोशिश करनी चाहिए और दोपहर के समय घर के अंदर ही रहना बेहतर है। अंततः यह कहा जा सकता है कि इस समय देश भीषण गर्मी की चपेट में है और आने वाले कुछ दिन और कठिन हो सकते हैं। ऐसे में धैर्य, सावधानी और सतर्कता ही इस संकट से बचने का सबसे बड़ा उपाय है। लोग राहत की उम्मीद में आसमान की ओर देख रहे हैं, जहां बादलों की एक हल्की परत भी उन्हें सुकून दे सकती है। लेकिन तब तक इस तपती धूप और लू के थपेड़ों के बीच खुद को सुरक्षित रखना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

आशा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उत्सव

यह बात स्थानीय पुलिस तक पहुंची, तो उन्होंने न केवल उसकी इच्छा को समझा, बल्कि उसे पूरा करने का संकल्प भी लिया। 29 अप्रैल 1980 को क्रिस को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं। विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है।

प्रसिद्ध विचारक एंथोनी स्टो. मारटोनी का कथन है कि यदि मनुष्य अपनी सबसे बड़ी इच्छाओं को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं। विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है।

भाग्यदारी के लिए प्रेरित करता है। हम सभी अपने स्तर पर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं-चाहे वह आर्थिक सहयोग के माध्यम से हो, स्वयंसेवा के द्वारा हो, या किसी जरूरतमंद बच्चे की पहचान कर उसकी सहायता करने के रूप में हो। आज डिजिटल युग में सोशल मीडिया भी एक सशक्त माध्यम बन गया है, जिसके द्वारा हम इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैला सकते हैं। निश्चिततौर पर विश्व इच्छा दिवस हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक अर्थ केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीने में है। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हम स्वयं भी भीतर से प्रसन्न होते हैं। यही सच्चा आनंद है, यही सच्ची सुदृष्टि है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह मानसिक तनाव हो, सामाजिक विघटन हो या मानवीय संवेदनाओं का ह्रास-ऐसे समय में यह दिवस आशा की एक किरण बनकर सामने आता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम चाहें, तो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। इसलिए इस विश्व इच्छा दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपनी इच्छाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की इच्छाओं को भी अपना मोर्चे। हम अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित करेंगे और मानवता के इस सुंदर अभियान का हिस्सा बनने। क्योंकि अंततः एक छोटी-सी इच्छा ही किसी के जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है और यही इस दिवस का सबसे गहरा और सच्चा संदेश है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



ललित गर्ग

ह र वर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाने 'विश्व इच्छा दिवस' मानवता के उन कोमल स्पंदनों को अभिव्यक्त करता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और आशा का वैश्विक अभियान है। इस दिन का मूल उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है, जो गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में निहित है। इस प्रेरणादायी दिवस का संबंध विश्वविख्यात संस्था मेक-ए-विश फाउंडेशन से है, जो दशकों से बीमार बच्चों की इच्छाओं को साकार कर उन्हें जीवन का नया अर्थ दे रही है। यह संस्था न केवल इच्छाओं को पूरा करती है, बल्कि उन बच्चों के भीतर जीने की आशा, साहस और मानसिक शक्ति का संचार भी करती है। इस दिवस का इतिहास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक है। वर्ष 1980 में सात वर्षीय क्रिस ग्रेसियस जो ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, उनकी अंतिम इच्छा एक पुलिस अधिकारी बनने की थी। जब

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लश्कर के आतंकी यूसुफ की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लश्कर-ए-ताइबा सरगना हाफिज साईद के एक और करीबी आतंकी शेख यूसुफ अफरीदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लांडी कोटल में अफरीदी की हत्या के बाद हमलावर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने अफरीदी पर अंधाधुंध गोलीबारी बरसाई। सूत्रों के अनुसार, यूसुफ अफरीदी लंबे समय से आतंकी गतिविधियों में लिप्त था। लश्कर में भी उसकी अहम भूमिका थी। अभी तक किसी संघटन ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है। सुरक्षा एजेंसियां इसे लक्षित हत्या के एंगल से भी देख रही हैं।

उत्तरी टेक्सास में आए बवंडर से दो लोगों की मौत, कई घर तबाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी टेक्सास में शनिवार रात आए भीषण बवंडर ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई घर पूरी तरह नष्ट हो गए। अधिकारियों के अनुसार, बवंडर की वजह से कम से कम 20 परिवार बेघर हो गए हैं। वाइज काउंटी के रनवे बै इलाके में 217 किमी प्रति घंटे की रफतार वाले 'एफई-2' बवंडर ने एक व्यक्ति की जान ले ली। यहां सड़कों पर मलबा जमा होने और बिजली के खंभे गिरने से राहत कार्य में दिक्कत आ रही है। वहीं, स्पिंगटाउन में 'एफई-1' बवंडर की चपेट में आने से दूसरे व्यक्ति की मौत हुई। इस इलाके में बड़े पैमाने पर बिजली गुल है। मौसम विभाग ने बताया कि यह तूफान विचिटा फोल्स से शुरू होकर फोर्ट वर्थ के पश्चिम की ओर बढ़ा। एजल शहर के पास भी एक बेहद खतरनाक बवंडर देखा गया। फिलहाल राहत टीमें मलबे को हटाकर प्रभावित लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

इस्लामाबाद में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के उपनगरीय इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतकों में एक महिला और एक किशोरी भी शामिल हैं। यह घटना शनिवार को जंगी सैयदने क्षेत्र में एक घर में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने सुबह गोली चलने की आवाजें सुनीं और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो घर की पहली मंजिल पर चार शव बरामद हुए। दो पीड़ित अलग-अलग बिस्तरों पर थे, जबकि एक शव फर्श पर पड़ा मिला। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी पीड़ितों के सिर में गोली लगी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अस्पताल में शिफ्ट कर दिया है। शुरुआती जांच में अधिकारियों को यह मामला 'ऑनर किलिंग' (सामूहिक हत्या) का रंग रहा है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं लगाया है और न ही किसी संदिग्ध की पहचान की है।

ईरान को डराने-धमकाने की कोशिश काम नहीं करेगी, अराघची के मॉस्को दौरे के बीच रूस का बड़ा बयान

मॉस्को, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस दौरे पर मॉस्को पहुंच गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री के दौरे के बीच ही रूस का एक बड़ा बयान सामने आया है। रूस ने कहा है कि ईरान को सैन्य ताकत का डर दिखाकर डराया-धमकाया नहीं जा सकता। विधान में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन में रूस के प्रतिनिधि मिखाइल उल्यानोव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'सैन्य तेनाती की धमकी और प्रतिबंध कड़े करने की बात ब्लैकमेलिंग है, लेकिन ईरान पर ये चाल काम नहीं करेगी। रूसी राजनयिक ने कहा कि अमेरिका को समझौते के लिए अपने रुख को नरम करना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि उनका रूस दौरा, युद्ध के बाद समन्वय का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अराघची ने ये टिप्पणियां सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएन पर प्रसारित एक पूर्व-रिकॉर्डेड साक्षात्कार में कीं। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक अच्छा अवसर है कि हम युद्ध से जुड़े घटनाक्रम और वर्तमान स्थिति पर अपने रूसी मित्रों के साथ परामर्श करें।' अराघची ने कहा कि अमेरिका के रवैये के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता में देरी हुई। उन्होंने कहा, 'पिछली वार्ता में प्रगति होने के बावजूद, अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकी और इसके लिए उन्होंने अमेरिका की बहुत ज्यादा मांगों को जिम्मेदार ठहराया। इस बीच ईरान की संसद के सभापति मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान के पास भी कई अहम पते हैं। गालिबाफ का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनके पास सारे पते हैं, जिससे वे ईरान पर दबाव बना सकते हैं। अब गालिबाफ ने कहा है कि तेल की सप्लाई और मांग जैसे कई अहम पते हैं, जो ईरान के पास हैं। गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के लिए पदों के पीछे से बातचीत जारी है। रूस दौरे से पहले ईरानी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान और ओमान का दौरा किया।

इसाइल के पूर्व पीएम नेपताली बनेट और येर लैपिड की पार्टियों का विलय, नेतन्याहू की बढ़ती मुश्किलें

यरूशलम, एजेंसी। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने शनिवार को अपनी-अपनी पार्टियों 'येस एटिड और बनेट 2026' के विलय का एलान किया। इसाइल में आगामी अक्टूबर तक आम चुनाव होने हैं। ऐसे में न्यू टाइमर के बैनर तले ही दोनों पार्टियों के नेता चुनाव लड़ेंगे। इस विलय से विपक्षीय टुकों मजबूती मिलने की उम्मीद है और इससे इसाइल के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

पूर्व पीएम नेपताली बनेट ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, मैं अपने देश के लिए अब तक का सबसे देशभक्तिपूर्ण और यहूदीवादी कदम उठा रहा हूँ। उन्होंने कहा कि यह एकता विभाजन के युग का अंत है। येर लैपिड ने भी मतलताओं से नई पार्टी का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को नेपताली बनेट के पीछे एकजुट होना चाहिए। उन्होंने हंगरी का उदाहरण दिया, जहाँ एकजुट विपक्ष ने जीत हासिल की।

7 अक्टूबर के हमलों की उच्च स्तरीय जांच का एलान : नई पार्टी ने एलान कर दिया है कि वे सिर्फ यहूदी दलों के साथ गठबंधन करेंगे और अरब दलों के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। नई पार्टी ने साफ कर दिया है कि अगर वे सत्ता में आते हैं तो उनकी सरकार 7 अक्टूबर के हमलों की जांच के लिए आयोग गठित करेगी। साथ ही सार्वभौमिक सैन्य भर्ती कानून को लागू किया जाएगा। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री के कार्यकाल को 8 साल तक किया जाएगा। बनेट और लैपिड ने अपनी पार्टियों के विलय के मौके पर यरार पार्टी के नेता आइजेनकोट की भी गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया।

रिपोर्ट में दावा : भारत से नहीं जीत पाया तो खुन्नस में

अफगानिस्तान से भिड़ बैठा था पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में हार का सामना करने के बाद पाकिस्तान ने जान बूझकर अफगानिस्तान को निशाना बनाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान या टी.टी.पी ने ये आरोप लगाए हैं। टी.टी.पी के आरोप हैं कि पाकिस्तान के फोल्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपनी छवि सुधारने के लिए अफगानिस्तान के साथ तनाव बढ़ाया था। फरवरी में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच स्ट्राइक्स के बाद युद्ध जैसे हालात हो गए थे।

पाकिस्तान पर टी.टी.पी के आरोप

सीएनएन न्यूज18 के अनुसार, टी.टी.पी की मैगजिन मुजल्ला तालिबान के 11वें अंक में मुनीर पर कई आरोप लगाए हैं। इसमें कहा गया है कि मुनीर ने अफगानिस्तान को भारत की तुलना में एक आसान निशाना समझा। मई 2025 में भारत के साथ हुए टकराव में हार और दुनिया भर में भारत के बढ़ते समर्थन को देखते हुए उन्होंने यह रास्ता चुना। दावा किया जा रहा है कि ऐसा करने के पीछे उनका मकसद



अपनी सैन्य कामयाबी दिखाना और अपने देश में अपनी पकड़ को और मजबूत करना था।

खुली जंग का किया था एलान

पाकिस्तान ने फरवरी में कहा था कि अफगानिस्तान के खिलाफ 'खुली जंग' जारी है। पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' के तहत अफगानिस्तान में कई स्थानों पर हमले शुरू करने के कुछ घंटों बाद उनकी यह टिप्पणी आई थी। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि सीमा पार से 'बिना उकसावे के गोलीबारी' के जवाब में पाकिस्तानी सेना ने ये हमले किए थे। दोनों देशों के बीच 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा को 'डूर-रेखा' कहा जाता है, जिसे अफगानिस्तान औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देता।

ताइवान के पास चीन की सैन्य गतिविधि तेज

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी कि उसके आसपास चीन की सैन्य गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्रालय के अनुसार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक चीन के 7 सैन्य विमानों की उड़ानें और 9 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए। इनमें से 7 में से 6 विमान ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र) में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि देश की सशस्त्र सेनाएं स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और आवश्यक जवाबी कार्रवाई को जा रही है। इससे पहले रविवार को भी इसी तरह की गतिविधि दर्ज की गई थी, जब चीन के 28 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास देखे गए थे। इनमें से 18 विमान ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी छुट्टों में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान लगातार चीन की इन बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर निगरानी रख रहा है और सुरक्षा स्थिति को लेकर सतर्क बना

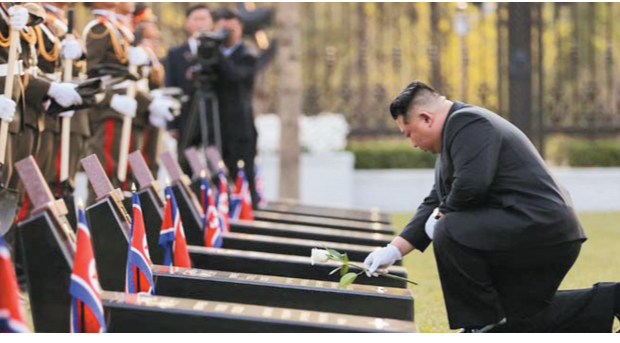
हुआ है। विरोधियों के हमले में माली के रक्षा मंत्री की मौत

माली, एजेंसी। माली के रक्षा मंत्री जनरल सादियो कमारा की शनिवार को एक हमले में मौत हो गई। सैन्य अधिकारियों और अन्य सूत्रों ने रविवार को इस खबर की जानकारी दी। विद्रोहियों ने उनके घर को निशाना बनाकर यह हमला किया था। हालांकि, माली की सरकार ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस हमले के दौरान जिहादियों और विद्रोही गुटों ने देश के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर कब्जा कर लिया। मामले में अलगाववादी लड़ाकों और इस्लामी चरमपंथियों ने मिलकर राजधानी और अन्य शहरों में सेना पर बड़ा हमला बोला। इस हिंसा में कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं। माली में अलगाववादी गुट पिछले कई वर्षों से उत्तरी हिस्से में एक स्वतंत्र देश बनाने की मांग कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया युद्ध स्मारक: जंग में हताहत सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर बोले किम जोंग-रूस से गठबंधन मजबूत होगा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों की याद में एक बड़ा स्मारक और सैन्य संग्रहालय खोल दिया है। यह आयोजन प्योंगयांग में किया गया, जिसमें उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम जोंग उन ने भी हिस्सा लिया। सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह स्मारक रूस के कुरुस्क क्षेत्र को यूक्रेन से मुक्त कराने की पहली वर्षगांठ पर खोला गया।

रूस के साथ सैन्य सहयोग को बताया रणनीतिक साझेदारी : इस मौके पर किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया और रूस का संबंध अब खुब से जुड़ा हुआ है और इसे एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक हालात में दोनों देशों को एक मजबूत और एकजुट शक्ति के रूप में आगे बढ़ना होगा, ताकि किसी भी संकट का सामना किया जा सके। युद्ध में उत्तर कोरिया की



भूमिका : रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 से उत्तर कोरिया ने रूस को लगभग 15,000 सैनिक और सैन्य हथियार भेजे हैं। यह सैनिक रूस-यूक्रेन युद्ध में सहायता के लिए तैनात किए गए थे। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का दावा है कि इस युद्ध में अब तक लगभग 6,000 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। रूस-उत्तर कोरिया रिश्ते और मजबूत : इस कार्यक्रम में रूस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए,

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के मध्य तनाव कम करने के उद्देश्य से पाकिस्तान की मध्यस्थता में युद्धविराम (सीजफायर) को लेकर वार्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। इस दीर्घकालिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान ने स्वयं को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत किया है। पाकिस्तान इस राजनयिक पहल के माध्यम से न केवल अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को सुधारने का प्रयास कर रहा है, बल्कि उसे इस प्रक्रिया के बदले आर्थिक सहायता मिलने की भी प्रबल संभावना है। हालांकि, इन प्रयासों के बीच ईरान के भीतर पाकिस्तान की भूमिका को लेकर विश्वसनीयता का संकट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

ईरान के संसद और 'राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग' के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने भी पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए उसकी निष्पक्षता पर संदेह व्यक्त किया है। रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान हमारा अच्छा दोस्त और पड़ोसी है, लेकिन वह

अमेरिका से भी जोड़े तार

रिपोर्ट के मुताबिक, टी.टी.पी ने पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व पर अमेरिका के साथ मिलीभगत की अपनी पुरानी आदत जारी रखने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि फरवरी 2026 में अफगान शहरों में किए गए हवाई हमले उग्रवाद को खत्म करने के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका को खुश करने और उसकी चिंताओं को दूर करने के लिए किए गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर

बीते साल अप्रैल में आतंकवादियों ने जम्मू और कश्मीर के पहलामाम में 26 सैलानियों की गोलीबारी कर हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल संधि रोकने समेत कई फैसले लिए थे। वहीं, 7 मई को भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का आगाज किया था। इसके तहत पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र में प्रवेश कर आतंकवादियों के ठिकाने तबाह किए गए थे।

पहलामाम की बरसी पर भारतीय सेना ने एक बार फिर पोस्ट जारी कर चेतावनी दी थी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कह चुके हैं कि अभी ऑपरेशन सिंदूर जारी है।

मध्यस्थ को एक तरफ नहीं झुकना चाहिए

ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता पर उठाए सवाल



बातचीत के लिए सही मध्यस्थ नहीं है और उसमें मध्यस्थता के लिए जरूरी विश्वसनीयता नहीं है। वे हमेशा ट्रंप के फायदों का ध्यान रखते हैं और अमेरिकियों की मर्जी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहते। ईरानी नेता ने आगे कहा, 'उदाहरण के लिए, वे दुनिया को यह बताने को तैयार नहीं हैं कि अमेरिका ने पहले पाकिस्तान का प्रस्ताव मान लिया था लेकिन फिर अपनी बात से मुकर

गया। वे यह नहीं कहते कि लेबनान या ब्लॉक किए गए एस्टस के मुद्दे पर अमेरिकियों ने कमिटेमेंट किए थे लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। एक मीडिएटर को बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए, हमेशा एक तरफ नहीं झुकना चाहिए।' पाकिस्तान का झुकाव इस स्थिति में अमेरिकी की तरफ साफ जाहिर है। इसका ताजा उदाहरण तब देखने को मिला, जब दोनों देशों के बीच दो हफ्तों के लिए सीजफायर की घोषणा की गई थी।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के एक्स हैटल पर जो पोस्ट किया गया, उसमें लिखा था, 'झट्टर-एक्स पर पाकिस्तान के पीएम का मैसेज।' हालांकि इस पोस्ट को एडिट कर दिया गया था, लेकिन एडिटेड हिस्से से इसका खुलासा हो गया। इससे एक बात साफ हो गई थी कि पाकिस्तान के पीएम के एक्स हैटल पर जो भी पोस्ट किया गया, उसमें शब्द किसी और के थे, बस आवाज पाकिस्तानी पीएम की थी। इस पोस्ट के बाद ये अटकलें और तेज हो गईं कि पाकिस्तान अमेरिका के इशारे पर मध्यस्थता का काम कर रहा है।

हज 2026 : भारतीय राजदूत ने मक्का का दौरा किया, हाई-स्पीड ट्रेन और डिजिटल सेवाएं शुरू

रियाद, एजेंसी। भारत के सऊदी अरब में राजदूत सुहेल खान ने रविवार को मक्का का दौरा किया और भारतीय हज यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मदीना से ट्रेन के जरिए मक्का पहुंचे भारतीय तीर्थयात्रियों के पहले जल्ये का भी स्वागत किया। इस दौरान जेद्दा में भारत के कॉन्सुल जनरल फहद सूरी और कॉन्सुल हज सदफ चौधरी भी मौजूद थे, यह जानकारी सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया 'एक्स' अकाउंट पर दी। दूतावास ने बताया कि इस साल बड़ी संख्या में भारतीय यात्री मक्का और मदीना के बीच सफर के लिए हरमैन हाई-स्पीड रेलवे का इस्तेमाल करेंगे। इसके अलावा इसका उपयोग जेद्दा और मक्का के बीच यात्रा के लिए भी किया जाएगा। इससे यात्रियों का सफर काफी तेज, सुरक्षित और आरामदायक हो जाएगा।

18 अप्रैल को हज 2026 के पहले जल्ये के यात्री दिल्ली एयरपोर्ट से सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हुए थे। उस समय दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां भी एयरपोर्ट पर मौजूद थीं। हज के लिए कई सुविधाएं शुरू की गई हैं। इनमें 'हज सुविधा ऐप' के जरिए डिजिटल सेवाएं बढ़ाना और 'हज सुविधा स्मार्ट बैंड' शामिल है, जिससे यात्रियों को दूढ़ने और मदद करने में आसानी होगी।



इस बार लगभग 20 दिन का छोटा हज विकल्प भी शुरू किया गया है, ताकि लोगों को ज्यादा सुविधा मिल सके। सरकार ने हर यात्री के लिए सीमा कवर भी बढ़ाकर लगभग 6.25 लाख रुपए कर दिया है, जिससे यात्रा के दौरान आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी।

करीब 60,000 यात्रियों को मक्का और मदीना के बीच हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा करने की सुविधा मिलेगी, जिससे उनका सफर तेज और आरामदायक होगा। इसके अलावा यात्रियों की रियल-टाइम निगरानी, शिकायत निवारण सिस्टम, बेहतर मेडिकल जांच और स्वास्थ्य सुविधाएं और सऊदी अरब में ठहरने और परिवहन की बेहतर व्यवस्था भी की गई है। मक्का में होटल जैसी रहने की सुविधा भी दी जा रही है।

शिकागो के अस्पताल में अंधाधुंध गोलीबारी से मचा हड़कंप, दो पुलिसकर्मी घायल

शिकागो, एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं धरने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला शिकागो के एक अस्पताल में हुआ है। यहां गोलीबारी के बाद पूरे अस्पताल कैम्प को लॉकडाउन कर दिया गया है। एंडेवर हेल्थ स्वीडिश अस्पताल प्रशासन ने शनिवार को जानकारी दी कि स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद सभी मरीज और कर्मचारी सुरक्षित हैं। प्रशासन ने यह भी बताया कि दोपहर तक अस्पताल में किसी भी तरह का सक्रिय खतरा नहीं था।

यह गोलीबारी सुबह करीब 11 बजे हुई। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। शिकागो पुलिस विभाग ने इस मामले में और जानकारी देने के लिए किए गए कई अनुरोधों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं: बराक ओबामा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस करिस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।

ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि अभी तक हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम हिंसा को पूरी



सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से टली बड़ी घटना

यह घटना उस समय हुई जब कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे। राहत की बात यह रही कि सभी प्रमुख हस्तियां सुरक्षित हैं। हालांकि, घटना के दौरान एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी घायल हो गया, जो हमलावर को रोकने की कार्रवाई में शामिल था।

तरह अस्वीकार करें। उन्होंने इस दौरान अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों, खासकर सीक्रेट सर्विस के साहस और तत्परता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह घटना उन अधिकारियों के बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाती है, जो हर दिन देश की सुरक्षा में जुटे रहते

मदरसों का उतराखंड शिक्षा बोर्ड में पंजीकरण अनिवार्य किए जाने के विरुद्ध मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जाएगा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी नई दिल्ली। उतराखंड सरकार के जरिए उतराखंड में चल रहे सभी मदरसों का उतराखंड शिक्षा बोर्ड में पंजीकरण अनिवार्य किए जाने के फैसले का ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कड़े शब्दों शब्दों में निंदा की है। इस सिलसिले में बोर्ड के जरिए जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य में बोर्ड के अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह रहमानी सहित जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी, जमात-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद साआदतुल्लाह हुसैनी, जमीअत अहले हदीस के अमीर असगर अली इमाम सल्फी मेहदी, जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी, पूर्व सांसद मौलाना ओवेइल्ला खान आजमी सहित बोर्ड के अन्य पदाधिकारियों ने भी हस्ताक्षर किए हैं। संयुक्त बयान में इस फैसले को संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा गया है कि जब संविधान ने सभी अल्पसंख्यक समुदायों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और चलाने की अनुमति प्रदान की है तो ऐसे में उतराखंड सरकार संविधान के मूल भावनाओं के विरुद्ध जाकर मदरसों को सरकार के शिक्षण बोर्ड के तहत लाने और उनका पंजीकरण कराने की बात कैसे कर सकती है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि मदरसों के खिलाफ उतराखंड सरकार की यह गहरी साजिश है जिसे कामियाब नहीं होने दिया जाएगा।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए से परिधान क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसर: कपड़ा मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को नई दिल्ली में ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। कपड़ा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार यह समझौता दोनों देशों के बीच भविष्य के लिए तैयार साझेदारी को दर्शाता है। देश के वस्त्र और परिधान क्षेत्र के लिए एक 'बड़ा प्रोत्साहन' है। न्यूजीलैंड का बाजार भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा द्वार खोलने वाला है। आंकड़ों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय: न्यूजीलैंड की लगभग 52 हजार डॉलर की उच्च प्रति व्यक्ति आय और शहरी केंद्रों में केंद्रित 53 लाख की आबादी भारतीय उत्पादों के लिए एक प्रीमियम मार्केट सुनिश्चित करती है। आयात की स्थिति: न्यूजीलैंड के कुल वैश्विक आयात में परिधान क्षेत्र की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। वर्तमान में न्यूजीलैंड वस्त्रों पर 0.33 अरब डॉलर, परिधान पर 1.27 अरब डॉलर और तैयार उत्पादों पर 0.33 अरब डॉलर का वैश्विक आयात करता है। अब तक भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड में 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के एमएफएस शुल्क का सामना करना पड़ता था, जो विशेष रूप से ऊन, एमएफएफ, कालीन और तैयार परिधानों पर लागू थे। एफटीए के लागू होने के बाद भारतीय उत्पादों की लागत कम हो जाएगी, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी हो सकेंगे।

मपू की 'बाग प्रिंट' कला को मिलेगा वैश्विक मंच, अंतरराष्ट्रीय मेले 'फोयरे डे पेरिस' में होगी प्रदर्शित

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की विशिष्ट 'बाग प्रिंट' कला को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मेले 'फोयरे डे पेरिस' में प्रदर्शित किया जायेगा। जनसंपर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि यह मेला 30 अप्रैल से 11 मई तक पेरिस के पोर्टे डे वसाय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा देशभर से चयनित पांच श्रेष्ठ शिल्पकारों में प्रदेश के नेशनल अवार्ड शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को शामिल किया गया है। वे इस मेले में प्रदेश की 'बाग प्रिंट' कला का प्रतिनिधित्व करते हुए मास्टर क्रॉफ्ट्समैन के रूप में शामिल होंगे। 'बाग प्रिंट' हस्तशिल्प भौगोलिक संकेत (जीआई) के अंतर्गत संरक्षित है। उन्होंने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय मेले में बिलाल खत्री 'बाग प्रिंट' कला का लाइव प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक प्राकृतिक रंगों, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉक्स और हस्तनिर्मित तकनीकों के माध्यम से कपड़ों पर उमरती कलाकृतियों को अंतरराष्ट्रीय दर्शक प्रशंसक देख सकेंगे। यह भारतीय हस्तशिल्प की गहराई और सौंदर्य को समझने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

भारतमाला घोटाला: ईडी की छत्तीसगढ़ के कुरुद में छापेमारी, पूर्व मंत्री के रिश्तेदारों के घर खंगाले

धमतरी। छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना से जुड़े कथित जमीन मुआवजा घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने सुबह धमतरी के कुरुद में पूर्व मंत्री अजय चंद्रकार के रिश्तेदार भूपेंद्र चंद्रकार और रोशन लाल चंद्रकार के घरों पर छापेमारी की। इसके साथ रायपुर जिला के अभनपुर में भी जमीन कारोबारी गोपाल गांधी और उनकी सहयोगियों के ठिकानों भी दंशिश दी गई। ईडी के करीब 13 अधिकारियों की टीम अहले सुबह रायपुर के अभनपुर स्थित गोपाल गांधी के निवासे और कार्यालय पहुंची और छापेमारी शुरू की। ईडी की टीम यहां दस्तावेजों के साथ-साथ डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम ने सुबह-सुबह कुरुद पहुंचकर भूपेंद्र चंद्रकार और रोशन लाल चंद्रकार के निवास पर एक साथ छापे छापा। दोनों के नाम भारतमाला प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी में ईडी द्वारा दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

मपू में महिला आरक्षण पर घमासान, मुख्यमंत्री बोले- अब भी समय है समर्थन करे विपक्ष

एजेंसी भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में सोमवार को 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम को लेकर आयोजित विशेष सत्र में महिला आरक्षण को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विपक्ष से अपील करते हुए कहा कि अब भी समय है, नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करे।विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सदन में 'नारी शक्ति वंदन संकल्प' प्रस्तुत किया। संकल्प में देश की संसद और सभी विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने और परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई। इस पर दिनभर हुई चर्चा के दौरान सत्ता-पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक हुई। शाम को सदन में मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे लिए घर में दीपावली का आनंद भी दूसरों के आशीर्वाद से ही संभव होता है। जब शत्रु उठने की बात आती है, तो मां जगदंबा के आशीर्वाद से ही विजय यात्रा का संकल्प हमारी संस्कृति देती है। उन्होंने कहा कि इतिहास में महिला सशक्तिकरण और समानता की बातें जरूर हुईं, लेकिन 1947 में देश आजाद होने के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद इन मुद्दों पर अपेक्षित काम नहीं किया गया।उन्होंने कहा कि आज के इस सत्र में दोनों पक्षों ने अपने विचार अच्छे ढंग से रखे हैं और इसके लिए वे सभी का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की आबादी में आधी हिस्सेदारी महिलाओं की है और उसी नाते वे सभी का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में भगवान श्रीराम के उद्घोष के साथ 'जननी जन्मभूमि स्वर्गादपि गरीयसी' का भाव जुड़ा है। यह भावना केवल सत्ता से नहीं, बल्कि समानता संस्कृति और देश के प्रति सनातन से जुड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह इशर-उशर की बातें कर रही है। कांग्रेस के शासनकाल में ही कई निर्णय लिए गए, जिनमें विंगमतियां थीं। 1928 में जो बातें उठाई गईं, बाद में उनमें बदलाव किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने लोकसभा सीटों

श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े रमजानभाई समेत 30 विशिष्ट महानुभावों का सम्मान

एजेंसी नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉ मोहन भागवत ने श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े 30 विशिष्ट महानुभावों को सम्मानित किया। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मानित हुए योगदानकर्ताओं में रमजानभाई, नूपेंद्र मिश्र, जगदीश आफळे, गिरीश सहस्त्राभोजनी, जगन्नाथ गुळवे, आशिष सोमपुरा, निखिल सोमपुरा, अरुण योगिराज, जय काकतीकर, मनाष त्रिपाठी, सत्यनारायण पाण्डे, अनिल सुतार, केशव शर्मा, विनोद शुक्ला, राजीव दुबे, मनीष दाधीच, विनोद मेहता, अंकुर जैन, राजकुमार सिंह, ए.



गोपाल, चंपत राय, गोविंददेवगिरी महाराज और वासुदेव कामत शामिल रहे। कार्यक्रम में राम मंदिर के निर्माण को 500 वर्षों के ऐतिहासिक संघर्ष का

परिणाम बताया गया। वक्ताओं ने 22 जनवरी 2024 को हुए श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भारतीय

सभ्यता के लिए एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण बताया, जिसने पूरे देश में 'सबमें राम, सबके राम' की भावना को और सशक्त किया। इस

अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. भागवत ने कहा कि मंदिर निर्माण केवल एक भौतिक परियोजना नहीं बल्कि समाज की सामूहिक आस्था और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे गोवर्धन पर्वत उठाने में सभी का योगदान था, वैसे ही इस भव्य मंदिर के निर्माण में भी समाज के हर वर्ग की भागीदारी रही। उन्होंने भारत के उथान को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास से जोड़ते हुए समाज की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। नागपुर स्थित डॉ हेडगेवार स्मारक समिति अध्यक्ष के सुरेश भैराजी जोशी ने अपने वक्तव्य में छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर आधुनिक भारत तक के संघर्षों का उल्लेख किया।

एयर इंडिया और इंडिगो जल्द शुरू करेंगी कतर के लिए उड़ानें: विदेश मंत्रालय

एजेंसी नई दिल्ली। खाड़ी क्षेत्र में उड़ानों की स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। इसी के चलते एयर इंडिया और इंडिगो भी जल्द ही कतर से भारत के लिए अपनी फ्लाइट सेवाएं फिर शुरू करने की योजना बना रही है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय (एमईए) ने दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुल चुका है और कतर एयरवेज पहले से ही भारत के कई शहरों के लिए उड़ानें चला रही है। मिडिल ईस्ट से भारत के लिए अतिरिक्त उड़ानें भी शुरू हो गई हैं। यूएई और भारत के बीच लगभग 105 उड़ानें चलने की उम्मीद है। दुबई और अबू धाबी से सीमित संख्या में व्यावसायिक उड़ानें सुरक्षा और संचालन कारणों से चलाई जा रही हैं। सऊदी अरब और ओमान के कई एयरपोर्ट से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं। कुवैत का हवाई क्षेत्र भी खुल गया है और जर्नीर एयरवेज और कुवैत एयरवेज ने सीमित उड़ानें फिर शुरू कर दी हैं। बहरीन का एयरस्पेस भी खुला है और गल्फ एयर भारत के विभिन्न शहरों के लिए उड़ानें चला रही है। इसके अलावा, इराक का हवाई क्षेत्र भी सीमित उड़ानों के साथ खुला है, जिसका उपयोग भारत आने के लिए



आगे की यात्रा में किया जा सकता है। ईरान का हवाई क्षेत्र फिलहाल आंशिक रूप से खुला है और केवल कागों व चार्टर्ड फॉर जस्टिस की अनुमति है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है और वहां मौजूद लोगों से कहा है कि वे दूतावास की मदद से जमीन के

रास्ते बाहर निकलें। अब तक तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने 2,445 भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की है। इजरायल का हवाई क्षेत्र भी खुला है और सीमित उड़ानें फिर शुरू हो गई हैं, जिनका उपयोग भारत आने के लिए किया जा सकता है। भारतीय मिशन लगातार भारतीय समुदाय, संगठनों, कंपनियों और अन्य संबंधित लोगों के साथ संपर्क में हैं और उनकी मदद कर रहे हैं। 28 फरवरी से अब तक करीब 12,96,000 यात्री इस क्षेत्र से भारत आ चुके हैं। भारतीय दूतावास और अन्य कार्यालय 24 घंटे हेल्पलाइन चला रहे हैं और लोगों की सहायता कर रहे हैं। वे स्थानीय सरकारों के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय समय-समय पर नए दिशा-निर्देश जारी कर रहा है, जिनमें स्थानीय नियम, फ्लाइट की स्थिति और भारतीयों के लिए सहायता से जुड़ी जानकारी शामिल है।

मोजशाला विवाद: हाई कोर्ट में एएसआई की भूमिका पर उठे सवाल, इंटरवीनर पक्ष का दावा- सर्वे रिपोर्ट सदैहास्पद

एजेंसी इंदौर। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला विवाद मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में नियमित सुनवाई जारी रही। इस दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका पर सवाल उठाए गए। एएसआई ने 1998 में पेश जवाब में कहा था कि भोजशाला मंदिर है या मस्जिद इस बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता और अब वही एएसआई भोजशाला की मंदिर बता रहा है। मपू उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ में मंगलवार को भोजशाला मामले में हस्तक्षेपकर्ता काजी जकूल्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने तर्क रखे। लाम्हाग दो घंटे चली सुनवाई के दौरान उन्होंने



बताया। वरिष्ठ अधिभाषक मेनन ने इस मामले में याचिका दायर करने वाले हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और कुलदीप तिवारी की ओर से पेश की गई दोनों याचिकाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस को लेकर कहा कि ये ट्रस्ट 2021 में अस्तित्व में आया और वर्ष 2022 में उसने भोजशाला को लेकर जनहित याचिका दायर कर दी। इसी तरह चली सुनवाई के दौरान उन्होंने

खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताया है लेकिन उन्होंने क्या समाजसेवा की है, उसके बारे में कोई जानकारी कोर्ट में नहीं रखी। मेनन ने अदालत में कहा कि यह मामला जनहित याचिका नहीं, बल्कि टाइटल स्ट्र (स्वामित्व विवाद) है, जिसकी सुनवाई सिविल कोर्ट में ही होनी चाहिए। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ताओं ने ऑर्टिकल 226 के तहत जनहित याचिका दायर की है, जबकि यह स्पष्ट रूप से दीवानी का मामला है। ऐसे में उच्च न्यायालय को इस पर भारी कॉस्ट लगानी चाहिए। मेनन ने

यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी वास्तविक पेशे की जानकारी छिपाकर खुद को समाजसेवी बताया। पहले इसी तरह की याचिका (1997) सिविल सूट दायर करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ली गई थी। इसके बावजूद आज तक सिविल कोर्ट में कोई वाद दायर नहीं किया गया। वर्तमान याचिका विलंब से दायर की गई है और नियमों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने दोनों याचिकाओं को निरस्त करने की मांग की। सुनवाई के दौरान मेनन ने एएसआई और सरकार के अलग-अलग समय पर दिए गए बयानों में विरोधाभास को बताया। उन्होंने कहा कि पहले विवादित स्थल को न मंदिर, न मस्जिद बताया गया। अब एएसआई इसे केवल मंदिर बता रही है। इससे सरकार की भूमिका सदैहास्पद प्रतीत होती है और याचिकाकर्ताओं को समर्थन मिलने का संकेत मिलता है।

बैरकपुर रेली में मोदी का वादा- कोलकाता बनेगा 'सिटी ऑफ फ्यूचर'

एजेंसी बैरकपुर। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैरकपुर की जनसभा से कई बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि भविष्य में कोलकाता को 'सिटी ऑफ फ्यूचर' के रूप में विकसित किया जाएगा।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यदि बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो सबसे पहले युवाओं को राज्य में ही रोजगार देने पर जोर दिया जाएगा। चार मई के बाद सरकारी नौकरियों की भर्ती समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ की जाएगी। रोजगार मेलों के जरिए युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे और लंबे समय से खाली पड़े सरकारी पदों को जल्द भरा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक दबाव से मुक्त किया जाएगा और सभी को सलाह देते हुए आयोग का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने बंगाल में कर्टेट क्रिएशन और क्रिएटिव इकोनॉमी को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेजों में कर्टेट क्रिएटर लैब बनाई जाएंगी, ताकि युवाओं को डिजिटल क्षेत्रों में नए अवसर मिल सकें। प्रचार समाप्त होने के बाद सोमवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए बंगाली भाषा में एक ऑडियो संदेश भी जारी किया। अपने एक्स ट्विटर पर सात मिनट 38 सेकेंड का संदेश साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि लोकतंत्र का यह पर्व भाजपा की जीत का झंडा फहराने का एक सुनहरा अवसर है और 29 अप्रैल को लोग मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएंगे। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि पूरे चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें बंगाल के लोगों से अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला, जिससे उन्हें नई ऊर्जा मिली है।

नागालैंड हाउस, नई दिल्ली में राज्यपाल नंदकिशोर यादव का मध्य सम्मान समारोह आयोजित

एजेंसी नई दिल्ली। नागालैंड हाउस में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक महासंघ (एनयूबीसी) द्वारा नंदकिशोर यादव (राज्यपाल, नागालैंड) का भव्य एवं अभिन्नंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महासंघ के वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता तथा मुख्य संरक्षक डॉ. मदन यादव द्वारा राज्यपाल को साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष हनुमान सहाय सिरसी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य अधिपंतता महेंद्र सिंह करोल, महासचिव श्रवण कुमार मेहरड़ा, पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी (पश्चिम बंगाल कैडर) आर.डी. मीणा, राजस्थान लोक



सेवा आयोग की पूर्व सदस्य राजकुमारी गुर्जर, पूर्व आईपीएस अधिकारी भैरो सिंह गुर्जर एवं आर एस कृष्णिया की उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की पूर्व

पश्चिम बंगाल में चुनावी जब्ती 510 करोड़ पार, पिछले चुनाव से 339 करोड़ अधिक

एजेंसी नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान अब तक अवैध नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातु और अन्य वस्तुओं को मिलाकर कुल मूल्य 510 करोड़ रुपये से अधिक की चीजें जब्त की हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों में दर्ज 339 करोड़ रुपये की जब्ती से भी अधिक है। चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक पश्चिम बंगाल में 2,728 फ्लाइंग स्वचालित टैमों और 3,142 गिरानी टैमों को तैनात किया गया है। ये टैमों शिकायतों पर 100 मिन्ट के भीतर कार्रवाई करती हैं और विभिन्न स्थानों पर अचानक नाके लगाकर जांच करती हैं। इसके अलावा अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और वितरण के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार 29 अप्रैल तक पश्चिम बंगाल में 30 करोड़ रुपये नकद, 48 लाख लीटर



से अधिक शराब जिसकी कीमत 126.85 करोड़ रुपये है, 110.12 करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स, 58.28 करोड़ रुपये कीमती धातु और

एम्स रायपुर में राष्ट्रीय मनोरोग सम्मेलन संपन्न, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर हुआ मंथन

एजेंसी रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के मनोरोग विभाग ने वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर डायनेमिक साइकियाट्री (इंडिया चैप्टर) का दूसरे वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (25-26 अप्रैल) को आयोजित किया। सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ साइकियाट्रिक सोसायटी, वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी तथा इंडियन टीचर्स ऑफ साइकियाट्री के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लेकर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, मनोचिकित्सा और सामाजिक-मानसिक परिप्रेष्य पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का उद्घाटन लैप्टोपटैट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल ने किया। इस अवसर पर इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी

के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. टी.एस.एस. राव तथा चांदखुरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन में वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर



डायनेमिक साइकियाट्री (इंडिया चैप्टर) के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. राय अंब्राम कल्लियावल्ली, राज्य अधीक्षक डॉ. रमेश चड्ढा, महासचिव डॉ. स्नेहिल गुप्ता, प्रोफेसर डॉ. लोकेश सिंह तथा डॉ. अजय कुमार भी मौजूद रहे। दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से लगभग 120 मानसिक स्वास्थ्य

विशेषज्ञों, जिनमें मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक और मनोरोग नर्स शामिल थे, ने संबोधित किया। सम्मेलन में मानव मन के विविध आयामों को समझने, व्यक्ति को उसके सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक संदर्भ में देखने तथा मानसिक स्वास्थ्य उपचार में मनोचिकित्सा की भूमिका को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न आयु वर्गों में मनोचिकित्सा के उपयोग और उसकी प्रभावशीलता पर भी विस्तृत चर्चा हुई। सम्मेलन के दौरान स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने शैक्षणिक प्रतियोगिताओं, पुस्करा श्रेणियों और वि्वज प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को कला, शिल्प और फोटोग्राफी प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। आयोजन को पर्यावरण अनुकूल स्वरूप में सम्पन्न किया गया।

डॉ. अंसारी सेंट्रल जू आर्थोरिटी की 'कंजर्वेशन-बीडिंग' कमेटी में शामिल होने वाले मपू कैडर के पहले आईएफएस

एजेंसी भोपाल। देश में वन्य जीव संरक्षण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने हुए भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने "कंजर्वेशन-बीडिंग" के लिए एक विशेषज्ञ समिति

समीक्षा, मार्गदर्शन और प्रभावी क्रिया-व्ययन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। इस समिति में मध्य प्रदेश कैडर के आईएफएस अधिकारी डॉ. ए. अंसारी को शामिल किया गया है। डॉ. अंसारी को शामिल किया गया है। डॉ. अंसारी प्रदेश के सिवनी में वर्किंग प्लान अधिकारी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी

(भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरौली) शामिल हैं। समिति का कार्यकाल आदेश जारी होने की तिथि से 6 माह निर्धारित किया गया है। गैर-सरकारी सदस्यों को बैकड शुल्क एवं यात्रा भता केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्राधिकरण समिति को आवश्यक

प्रशासनिक एवं सचिवीय सहयोग भी उपलब्ध कराया। उन्होंने बताया कि "कंजर्वेशन-बीडिंग" समिति का गठन देश में वन्यजीव संरक्षण और लुप्तप्राय प्रजातियों के वैज्ञानिक प्रबंधन को दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से संरक्षण प्रजनन

से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच करेगी। इनमें-संरक्षण प्रजनन प्रस्तावों की समीक्षा एवं सिफारिशें, वित्तीय सहायता के प्रस्तावों का परीक्षण, प्रार्थनिकता वाली प्रजातियों की पहचान और सूची का पुनरीक्षण, सम-व्ययक और सहभागी चिड़ियाघरों की भूमिका निर्धारित करना।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।

टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात वाइल्डर्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं।

वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रमक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा। रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे हैं। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखा है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार माने जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लार्सन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रमक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वनखेड़े स्टैडियम के हालातों का लाभ उठाकर



बड़ा स्कोर बनाना चाहेगी। सनराइजर्स ने पिछले मैच में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को हराया था। वहीं कप्तान पैट कर्मिस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच अब तक 25 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 15 मुम्बई ने जबकि 10 सनराइजर्स ने जीते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

टीम इस प्रकार है

मुम्बई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्रिंटन डीकोक (विकेटकीपर), रयान रिक्लेटन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कार्बिन बोरिंग, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शारुल टक्कर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एस्म गजनगर, केशव महाराज, मयंक भारद्वाज, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा। **सनराइजर्स हैदराबाद:** पैट कर्मिस (कप्तान), सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लार्सन (विकेटकीपर), ट्रेविस हैड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स प्लेट्टे, लियाम लिविंगस्टोन, कामंडु मोंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएल्जी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशन मुहम्मद, ईशान मलिंगा, आंकर तनाले, जयदेव उवादक, जोशान अंसारी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मैड्रिड ओपन में लगातार 9वीं जीत दर्ज की



मैड्रिड (एजेंसी)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव सोमवार रात मैड्रिड ओपन में दबाव के बावजूद डट रहे; उन्होंने मैच के आखिरी पलों में आई थोड़ी सी मुश्किल का सामना करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी शानदार बढ़त को जारी रखा। दूसरी करीयाता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी दूसरे सेट में 5-3 के स्कोर पर मैच खत्म करने वाली सर्विस नहीं कर पाए, जब टैरेंस आत्मान ने मैच का पासा पलटने की कोशिश की, लेकिन ज्वेरेव ने खुद को संभाला और 6-3, 7-6 (2) से जीत हासिल की।

मनोली सैन्ताना स्टैडियम में 1 घंटे 37 मिनट तक चले इस मैच में जीत के साथ, दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने इस टूर्नामेंट में अपने नौवें प्रयास में नौवां बार अंतिम 16 में जगह बनाई है।

2025 सीजन की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रही थी-जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल तक का मुकाबला याकूब मेन्सिक से होगा, जिन्होंने अपने तीसरे मैच पॉइंट को भुनाने हुए कैरेन खाचानोव को हराया।

सफर शामिल था, लेकिन इंडियन वेल्स और मोंटे-कार्लो में उन्हें जल्दी ही बाहर होना पड़ा था-लेकिन 2026 में ज्वेरेव ने पूरी बाजी ही पलट दी है। आत्मान पर मिली इस जीत के साथ एटीपी रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव, जानिक सिनर के साथ उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस सीजन के चारों मास्टर्स 1000 इवेंट्स में अंतिम 16 में जगह बनाई है। सिनर ने इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे-कार्लो में ज्वेरेव के शानदार सफर को सेमीफाइनल में ही रोक दिया था; लेकिन मैड्रिड में इन दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना तभी हो पाएगा, जब दोनों ही फाइनल में जगह बनाने में कामयाब होंगे। अगले मैच में ज्वेरेव का मुकाबला याकूब मेन्सिक से होगा, जिन्होंने अपने तीसरे मैच पॉइंट को भुनाने हुए कैरेन खाचानोव को हराया।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद ओर बल्ले का संतुलन : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरू होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांचक मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरपूर बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग भर के बल्लेबाजों का स्वर्ण बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम हैं जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बड़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने। यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमों आसानी से हासिल कर रही हैं। यह

इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके-छके खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है। इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं हैं। जसपीत बुमराह, पैट कर्मिस, जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह या जोफा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके-छके पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अतएव गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

स्मृति मंधाना नई महिला टी20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसकी, दीप्ति चौथे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उम्र कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी आईसीसी की नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गईं जबकि ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

बल्लेबाजों की सूची में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर शामिल हैं जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न श्रृंखला में 169 रन बनाने के बाद एक स्थान के फायदे से 646 अंक के साथ फिर से शीर्ष 10 में शामिल हो गईं हैं। वहीं श्रेया घोषा दो स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गईं हैं।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं और उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 786 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब वह दूसरे स्थान पर मौजूद बर्थ मूनी से सिर्फ दो रेटिंग अंक पीछे हैं। जॉजिया वोल 815 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वोलवार्ट ने



56 गेंदों में नाबाद 92 रन बनाकर भारत के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला का अंत 330 रन के साथ किया जो किसी भी महिला द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में किसी एक खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। उनकी टीम ने श्रृंखला 4-1 से जीती। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।

इस सूची में पाकिस्तान की सिनर सादिया इकबाल शीर्ष पर बनी हुई हैं जबकि टी20 विश्व कप से पहले भारत

की ऑलराउंडर दीप्ति और दक्षिण अफ्रीका की सिनर नॉनकुलुलेको मलबा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरण ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। बेनोनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के अंतिम मैच में दो विकेट लेने के बाद बाएं हाथ की यह गेंदबाज 12 स्थान की छलांग लगाते हुए 11वें पायदान पर हैं।

बांग्लादेश की श्रीलंका के साथ घरेलू श्रृंखला के समापन के बाद नई

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी कुछ बदलाव देखने को मिले हैं। नवीनतम रैंकिंग में घरेलू टीम की कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। बांग्लादेश की अनुभवही जॉड़ी निगार सुल्ताना (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर) और शोभना मोस्तरी (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर) ने एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है जबकि नाहिदा अख्तर (दो स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर) और मारुफा अख्तर (छह स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर) एकदिवसीय गेंदबाजों की सूची में आगे बढ़ने में सफल रही हैं।

श्रीलंका की कप्तान चामरी अयापट्टु एकदिवसीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर और गेंदबाजों की रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप 34वें स्थान पर पहुंच गईं हैं। टीम की उनकी साथी हर्षिता समरविक्रमा (तीन स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर) को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

अंगुली के स्पिन कौशल को बढ़ा रहे कृणाल पांड्या : कार्तिक



नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने ऑलराउंडर कृणाल पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार वह अंगुली के स्पिन कौशल को आगे बढ़ा रहे हैं। उसके लिए उन्हें श्रेय मिलना ही चाहिये। इस प्रकार के गेंदबाजी कौशल को उनके जैसे गेंदबाजों के कारण ही पहचान मिल रही है। कार्तिक ने कहा कि बल्लेबाजों के मन में संदेह पैदा करने और लगातार बेहतर परिणाम देने की कृणाल की जबरदस्त क्षमता यह साबित करती है कि एक ऑलराउंडर के तौर पर उनमें किसका सुधार आया है। उन्होंने यह भी कहा कि कृणाल को यह प्रभाव दिखाता है कि आईपीएल में किस प्रकार से खेल को नये आयाम मिल रहे हैं और उसमें बदला आ रहा है। कृणाल की सरहना करते हुए कार्तिक ने कहा, कृणाल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें यह खेल लंबे समय तक याद रहता है। वह जिस प्रकार से अंगुली के स्पिनरों के लिए बनी तय सीमाओं को लगातार चुनौती दे रहे हैं और ऐसी गेंदें फेंक रहे हैं जिनकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, उसके लिए उनकी तारीफ होनी ही चाहिये। कार्तिक के अनुसार, कृणाल अपनी कला में महारत हासिल कर रहे हैं। उन्हें भनी-भांति पता है कि बल्लेबाजों के मनोविज्ञान को समझते हुए अपनी विविधताओं का उपयोग कब करना है, और अधिकारी अवसरों पर उन्हें इसका अपेक्षित लाभ भी मिलता है, जिससे वे विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहते हैं। कार्तिक ने साथ ही कहा कि एक ऑलराउंडर के रूप में कृणाल में जिस तरह का सुधार आया है, उसका बहुत सारा श्रेय उन्हों को मिलना चाहिये। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिस तरह आईपीएल क्रिकेट का आकार बदल रहा है और उसे एक नई दिशा दे रहा है, ठीक उसी तरह अंगुली के स्पिनर भी यही कर रहे हैं। कृणाल ने आरसीबी के लिए अब तक सात मैचों में आठ विकेट लिए हैं, जो उनकी गेंदबाजी में निरंतरता और प्रभाव को दिखाता है।

आईपीएल 2026 : भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा, ऑरेंज कैप की टेस हुई दिलचस्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (DC) को उनके IPL 2026 घरेलू मुकाबले में 75 रन पर ऑलआउट कर दिया। गेंद के साथ RCB के शानदार प्रदर्शन के चलते पर्पल कैप लीडरबाइ में नया लीडर सामने आया। मैच में सिर्फ 152 रन बने, लेकिन फिर भी ऑरेंज कैप की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ।

पर्पल कैप लीडरबाइ

भुवनेश्वर कुमार ने DC के खिलाफ 3-0-5-3 के आंकड़े दर्ज किए जिसमें उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए और RCB ने DC को 81 गेंद शेष रहते 9 विकेट से रैंड दिया। इसके साथ ही भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

है। अंशुल कंबोजे और ईशान मलिंगा की तरह भुवनेश्वर के भी 14 विकेट हैं लेकिन उनका औसत 16.85, उन्हें कंबोजे (16.92) और मलिंगा (18.21) से आगे ले गया। RCB के बाएं हाथ के स्पिनर कृणाल पांड्या ने DC के खिलाफ एक विकेट लेकर शीर्ष 10 विकेट लेने वालों की सूची में जगह बनाई। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कि कार्तिक त्यागी, जेमी ओवर्टन और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन उनका औसत (26.55), अन्य तीनों से बेहतर है।

जॉश हेजलवुड ने भी भुवनेश्वर का साथ देते हुए पावरप्ले में तीन विकेट झटके, जिससे डीसी का स्कोर IPL इतिहास के सबसे खराब पावरप्ले स्कोर 13/6 तक पहुंच गया। बाद में उन्होंने एक

वैभव को लेकर मनु बोली, सही मार्गदर्शन मिला तो वह बड़े सितारे बनेंगे

नई दिल्ली। 15 साल की उम्र में आईपीएल में धूम मचा रहे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में जब ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर से पूछा गया तो मनु ने वैभव की सरहना करते हुए कहा कि अगर मेंटरशिप अच्छी है और आसपास का माहौल अच्छा है तो उम्र से फर्क नहीं पड़ता उम्र तो केवल एक नंबर है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी होती हैं और 6 साल में भी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर वैभव को सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वह निश्चित रूप से बड़े सितारे बनेंगे। वहीं मनु जैसी शीर्ष स्तर की खिलाड़ी से इस प्रकार के सवाल पर कई लोगों ने आपत्ति जतायी है। उनका कहना है कि मनु ने भारत के लिए ओलंपिक मंच पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस पहचान और उपलब्धियों को देखते हुए, उनसे किसी क्रिकेटर पर सवाल किया जाना सही नहीं है। ओलंपिक पदक से बढ़कर कुछ नहीं है। उसके सामने आईपीएल कहीं नहीं लगाता। इस प्रकार के सवाल कर क्रिकेट को अन्य खेलों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जॉय भट्टाचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, दोस्तों, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं। उनसे यह पूछना कि वह वैभव सूर्यवंशी के बारे में क्या सोचती हैं, उनके और उनके खेल के साथ अन्याय है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत में ओलंपिक खेलों और उनके सितारों को क्रिकेट के बराबर सम्मान और पहचान मिल पाती है, या नहीं।

ओरेंज कैप के आंकड़े के साथ मैच खत्म किया। उनके विकेटों की संख्या अब दोगुनी होकर आठ हो गई है और वह 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑरेंज कैप

विराट कोहली ने दिल्ली में 76 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 23 रन बनाए और IPL में 9000 रन पूरे किए। इस पारी के साथ वह ऑरेंज कैप की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके 351 रन हैं, जबकि औसत 58.50 का है। कोहली अब वैभव सूर्यवंशी से सिर्फ छह रन पीछे हैं, जबकि सूर्यवंशी, खुद केकेएल राहुल से केवल एक रन पीछे हैं।

डीसी के सलामी बल्लेबाज राहुल ने RCB के

अच्छे प्रदर्शन के बाद, वे मानसिक रूप से बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के लिए अपने खेल में कुछ नया जोड़ना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने बाउंडर और लो-आर्म ट्रजेक्टरी वाली गेंदें खलना शुरू किया, जो विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ भी बेहद कारगर साबित हुई हैं। कृणाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह प्रयोग उनके लिए काफी सफल रहा है।

कृणाल ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पिनर के लिए बाउंडर खलना आसान नहीं है और इसके लिए असाधारण शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, कम रन-अप में इतनी गति और उछल लाना वास्तव में कठिन होता है।

हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं, जिनके 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 है।

उन्होंने यह भी साझा किया कि वह अभ्यास सत्र में बाउंडर का ज्यादा अभ्यास नहीं करते, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगती है और वह खुद को फिट व तरोताजा रखने के लिए इसे सीधे मैच में ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

इसी अवसर पर, कृणाल पंड्या ने टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को आईपीएल में 9000 रन पूरे करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई भी दी। कोहली इस प्रतिष्ठित लीग में यह मील का पत्थर छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने 275 मैचों और 267 पारियों में 40.05 की प्रभावशाली औसत से यह कारनामा किया है।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण



नई दिल्ली। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई श्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है। WFI का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में त्रुटिपूर्ण समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रही। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूँ।' विनेश ने कहा कि पंजीकरण करने में सफल रही। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई श्रम जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक दर्जन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद वह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गई और इसी दौरान मां भी बनीं।

दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे हुए मैच

नई दिल्ली। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन उतार चढ़ाव से भरा रहा है। टीम को लगातार दो करारी हार झेलनी पड़ी है। वह अपनी 8 में से 5 मैच हार गयी है और केवल 3 में जीत के साथ ही 6 अंकों लेकर सातवें नंबर पर है। ऐसे में टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर आशंकाएं लगायी जा रही हैं हालांकि उसकी संभावनाएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। टीम के अभी 6 मैच बचे हुए हैं और वह उन सभी में जीत जाती है तो सीधे प्लेऑफ में पहुंच जायेगी। इससे उसके 18 अंक हो जायेंगे। वहीं अगर वह पांच मैच जीतती है तो उसके कुल अंक 16 तक पहुंच जायेंगे। इससे भी उसे प्लेऑफ्स में जगह मिल सकती है पर उसे नेट रन रेट बेहतर बनाये रखना होगा।

वहीं अगर दिल्ली कैपिटल्स अपने बाकी बचे 6 मैचों में से दो या उससे अधिक मुकाबले गंवा देती है, तो उसके लिए प्लेऑफ्स में पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा। इसका कारण ये है कि 14 या उससे कम अंकों वाली टीमों को आमतौर पर प्लेऑफ्स में जगह नहीं मिलती है। इस स्थिति में नेट रन रेट भी देखा जाता है जो दिल्ली के लिए काफी खराब चल रहा है। अभी 6 अंक होने लेकिन नेट रन रेट बेहतर होने के कारण चेन्नई सुपर किंग्स अंक तालिका में छठे स्थान पर है, वहीं दिल्ली खराब नेट रन रेट के कारण सातवें स्थान पर है। ऐसे में, दो या अधिक हार दिल्ली से दिल्ली नेट रन रेट के कारण प्लेऑफ के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर हो जाएगी।



'किंग' के बाद 'जवान' के सीक्वल पर काम शुरू कर सकते हैं शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन इससे पहले उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर अपनी सुपरहिट मूवी के सीक्वल में नजर आएंगे।

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' के बाद एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में लग सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान फिलहाल अपनी फिल्म 'किंग' पर फोकस कर रहे हैं, जो एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म बताई जा रही है और 2026 में रिलीज हो सकती है। लेकिन इसी बीच खबर है कि 'किंग' के बाद वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के सीक्वल यानी 'जवान 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म की रिक्रट लगभग तैयार है और मेकर्स इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इससे पहले भी 'जवान 2' को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर की तरफ से भी कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया था। कहीं न कहीं इस खबर से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

'किंग' फिल्म के बारे में शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। ये एक एक्शन पैक फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।



क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' से कम हुआ दीपिका का रोल? मेकर्स ने बताई सच्चाई

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' रिलीज होते ही चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हुआ, जिसके बाद फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। हालांकि, बीच में ऐसी खबरें भी आईं कि फिल्म में दीपिका पादुकोण की भूमिका अब छोटी कर दी गई है। इन दावों पर अब खुद 'राका' के मेकर्स की प्रतिक्रिया सामने आई है।

फिल्म की टीम ने खबरों को बताया अफवाह दीपिका पादुकोण के दूसरी प्रेग्नेसी घोषित करने के बाद ऐसी खबरें आईं कि अब फिल्म से दीपिका की भूमिका छोटी की जा सकती है। अब 'राका' के प्रोड्यूसर से जुड़े सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। फिल्म की टीम ने पुष्टि की, 'सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और शूटिंग पूरे जोश के साथ सुचारु रूप से चल रही है।'

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के फिनाले में इमोशनल हुए अक्षय

अक्षय कुमार का रियलिटी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' 27 अप्रैल को ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने जा रहा है, जिसमें फराह खान, जैकलीन फर्नांडिस और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी।

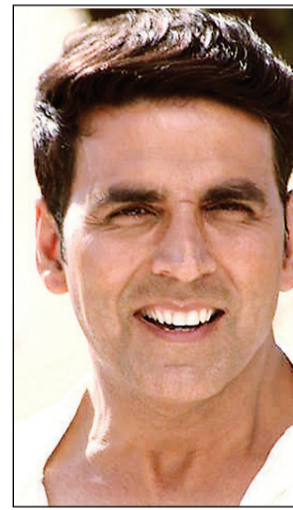
अक्षय को टीम ने दिया खास ट्रिब्यूट शो की ओर से एपिसोड का प्रोमो शेर किया गया। प्रोमो की शुरुआत में डेर सारी मस्ती देखने को मिलती है। लेकिन शो का तब इमोशनल हो जाता है, जब भूमि पेडनेकर बताती हैं कि शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' की टीम ने अक्षय के लिए एक खास ट्रिब्यूट तैयार किया है। इस वीडियो मॉन्टैज में शो के कई यादगार पल दिखाए जाते हैं, साथ ही एक दिल छू लेने वाला मैसेज सुनाई देता है- 'कल से ये मंच नहीं होगा, लेकिन आपकी

प्रेग्नेसी की घोषणा के बाद काम पर लौटी दीपिका

हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि दीपिका अपनी दूसरी गर्भावस्था के बावजूद काम से ब्रेक लेने के मूड में नहीं हैं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेसी घोषित करने के बाद काम फिर से शुरू कर दिया है। वह अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' के लिए कुछ एक्शन से भरपूर सीन की शूटिंग करेंगी, जिसमें सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही है। फिल्म तय समय-सीमा के अनुसार ही आगे बढ़ रही है।

शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका के पास 'राका' के अलावा शाहरुख खान के साथ 'किंग' फिल्म भी है। इसमें उनके अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी और अभिषेक बच्चन समेत कई कलाकारों के नाम शामिल हैं। दीपिका आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इस बीच पिछले साल वो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी फिल्मों से बाहर होने के चलते चर्चाओं में रही थीं।



मुस्कुराहट याद रहेगी, आपकी शरारतें, नादानियां और शैतानियां याद रहेगी... आप याद रहेगी। यह ट्रिब्यूट देखकर अक्षय कुमार की आंखों में आंसू आ गए। प्रोमो में वो अपने आंसू छुपाने के लिए फराह खान के पीछे जाते नजर आते हैं। अपने इस सफर को याद करते हुए अक्षय बताते हैं कि शो के 65 एपिसोड पूरे हो चुके हैं, जिसमें करीब 200 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया।

सोशल मीडिया से परेशान हुए पार्थ समथान, उठाया यह बड़ा कदम

टीवी के मशहूर अभिनेता पार्थ समथान अपने बेहतरीन अभिनय के साथ ही अपनी दमदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में न जाने ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला कर लिया है। उनके इस फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया है। जानिए क्या है पूरा मामला?

पार्थ समथान ने सोशल मीडिया से क्यों बनाई दूरी?

दरअसल, पार्थ अपने परिवार और खुद पर होने वाले ट्रोलिंग से बहुत परेशान हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि कुछ लोग नकली अकाउंट्स खरीदकर उनके और उनके परिवार की निजी जिंदगी पर गलत कमेंट्स कर रहे हैं। 'मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है' पार्थ ने कहा, 'मेरे शांत और पॉजिटिव इंसान हूँ,

लेकिन यह सब देखकर मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है। मुझे लगता है कि मैं जानता हूँ कि यह सब कौन कर रहा है, लेकिन नाम लेना बेकार है।' उन्होंने आगे लिखा कि अब वह साइबर क्राइम में शिकायत करने में समय बर्बाद नहीं करेंगे। बल्कि अपनी जिंदगी और काम पर ध्यान देंगे।

कौन हैं पार्थ समथान?

पार्थ समथान एक प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन अभिनेता और मॉडल हैं। उन्होंने 'गुमराह' और 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर?' जैसे शो से अपना करियर शुरू किया था। फिलहाल, पार्थ समथान टीवी शो 'सहर होने को है' में 'माहिद' का किरदार निभा रहे हैं। इस शो में उनके साथ माही विज, ऋषिता सिंह और कनिंका माहेश्वरी भी काम कर रही हैं। पार्थ को 'कैसीटी जिंदगी की 2' और 'कैसी ये यारियां' जैसे शोज से बहुत पॉपुलैरिटी मिली थी।



मुझे पैपराजी से बात करना अच्छा लगता है

अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में सोनम ने पैपराजी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि जब पेंस उनसे फोटोज के लिए कहते हैं, तो उनका रिएक्शन कैसा होता है?

बातचीत में सोनम बाजवा ने कहा कि जब पैपराजी उनसे फोटो के लिए कहते हैं, तो समझ ही नहीं आता कि कैसे रिएक्ट करें। एक्टर ने कहा कि मैं जोर से हंसती हूँ। मुझे नहीं पता कि पैपराजी के सामने क्या करना है। वे सैलून के बाहर भी इंतजार कर रहे होते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। लेकिन मुझे बहुत शर्म आती है, मुझे नहीं पता कि अगर मैं अभी-अभी सैलून से निकली हूँ तो उनके सामने कैसे पोज दूँ। वैसे पैपराजी बहुत कूल हैं। वे आपको इतना हसाते हैं। मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे, यह पैपराजी के सामने क्यों हंसती रहती है? मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता है। मुझे उनसे कभी-कभी मिलना अच्छा लगता है।

हालांकि, एक्टर ने ये भी कहा कि कभी-कभी पैपराजी प्राइवैसी वाली जगहों पर भी पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन कभी-कभी, आप अभी-अभी सोकर उठे होते हैं। आपने एक कप कॉफी भी नहीं पी होती। आपको जिम के लिए देरी हो रही होती है। जैसे ही आप जिम पहुंचते हैं, आपको पैपराजी दिख जाता है। आपका चेहरा सूजा हुआ होता है। हो सकता है कि आप पिछली रात से सोए न हों। आपने पर्याप्त पानी भी नहीं पिया हो। लेकिन पैपराजी आपका इंतजार कर रहे होते हैं। एक्टर ने कहा कि मुंबई में पैपराजी क्लब कितनी गहराई से जड़ जमा चुकी है। हर कोई सतर्क हो जाता है। सोचिए अगर मैं आपको जानने के 30 मिनट के अंदर ही पकड़ लूँ। आपको अच्छा नहीं लगेगा। तो ऐसा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह हमारे काम का हिस्सा है। अब यह कल्चर स्थापित हो चुका है। मुंबई में पैपराजी का कल्चर बन चुका है। इसलिए, मैं हमेशा खुद से कहती हूँ हमेशा तैयार रहो कि पैपराजी वहां होंगे। चाहे आप कहीं भी जा रहे हों।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम बाजवा अगली बार रूपांतर चहल द्वारा निर्देशित आगामी पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा 'पिट सियापा' में नजर आएंगी। 1 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म में सोनम बाजवा के साथ परमवीर सिंह वीमा भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कहानी निम्मी के डे-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सोनम निभा रही हैं।



हम दर्शकों को हल्के में लेते हैं उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है

अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीपी पर स्ट्रीम कर रही है। भारत में होने वाले दुष्कर्म जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित इस फिल्म को क्रिटिक्स से जमकर सराहना मिली थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म वो कमाई नहीं कर सकी, जिसकी मेकर्स को उम्मीद थी। अब हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा ने समीक्षकों द्वारा मिली फिल्म की सराहना पर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी समझाया कि आखिर क्यों 'अस्सी' बॉक्स ऑफिस पर वैसी कमाई नहीं कर पाई। फिल्म को मिली प्रतिक्रियाओं से खुश हैं निर्देशक इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान अनुभव सिन्हा ने 'अस्सी' को मिली पॉजिटिव प्रतिक्रियाओं के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मैसेज, डीएम और रीलों के माध्यम से प्रशंसा की है। मैसेज भेजने का तरीका बदल गया है। जब तक लोग सकारात्मक बातें कह रहे हैं, मैं खुश हूँ। फिल्म के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि 'अस्सी' 'थप्पड़' की तरह चर्चाओं को जन्म देगी। यही

कारण है कि मैं ये फिल्में बनाता हूँ। हो सकता है मेरे पास सभी जवाब न हों, लेकिन समाज मुझसे कहीं ज्यादा जानता है। अगर लोग इन मुद्दों पर बात करेंगे, तो उन्हें सवाल और जवाब दोनों मिल जाएंगे। उद्देश्य तो उन्हें प्रभावित करना था, लेकिन इसने उन्हें मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभावित किया है। अब बाहर निकलने और सिनेमाघरों में जाने की आदत बदल गई क्या दर्शक ऐसे गंभीर मुद्दों और विषयों के लिए तैयार हैं? इस सवाल पर अनुभव सिन्हा ने कहा कि हम अपने दर्शकों को हल्के में लेते हैं। उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है। यह एक ऐसा देश है जहां प्रकाश मेहरा, मनमोहन देसाई, गोविंद निहलानी, श्याम बेनेगल और बसु चटर्जी जैसे फिल्म निर्माता एक ही समय में सफल हुए। यह भारतीय दर्शकों की विविधता को दिखाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि बदलती आदतों का असर सिनेमाघरों में जाने पर पड़ा है। अब बाहर जाना कम हो गया है क्योंकि यह कम सुविधाजनक हो गया है। यह सिर्फ सिनेमा तक ही सीमित नहीं है; खरीदारी की आदतें

भी बदल गई हैं। लोगों के पास अब घर पर ही आसान विकल्प मौजूद हैं।

12 लाख लोगों ने सिनेमाघरों में देखी 'अस्सी'

फिल्म के कलेक्शन के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि सफलता सापेक्ष है। इस तरह की फिल्म के लिए व्यावसायिक सफलता बहुत महत्वपूर्ण है। ये फिल्में बनाना और देखना मुश्किल होता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से आर्थिक रूप से इन्हें सफल बनाना भी कठिन होता है। लेकिन यह एक ऐसा चुनौती है जो आप करते हैं और आपको इसके साथ जीना पड़ता है। आप चांद के बारे में सोचते हैं, यह जानते हुए भी कि चांद मिलना संभव नहीं है। लेकिन 'अस्सी' उम्मीद से भी कम रही। यह भय तो नहीं बनी, लेकिन सिनेमाघरों में आने वाले दर्शकों की संख्या के लिहाज से भी यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। फिर भी 12 लाख से अधिक लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्म देखी, जो बेहतरी है।

कुछ प्रतिक्रियाओं ने प्रभावित किया फिल्म का कलेक्शन

फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो पाने के कारणों पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि कई समीक्षकों, हालांकि सकारात्मक थीं, लेकिन उनमें 'परेशान करने वाली' या 'दिल दहला देने वाली' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। मुझे लगता है कि यही फिल्म के लिए बाधक साबित हुआ। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं ने भी धारणा को प्रभावित किया। लोगों ने कहा, 'यह सबके लिए नहीं है' या 'अगर आप संवेदनशील हैं तो इसे न देखें'। एक तरह से इसने फिल्म के खिलाफ काम किया। हालांकि, फिल्म की प्रशंसा ने भी मदद की।



कलपेश्वर : धार्मिक यात्रा के साथ पर्यटक भी



पंच केदार का सबसे आखिरी मंदिर है कलपेश्वर मंदिर। यहाँ एक ऐसा पवित्र मंदिर है, जिसके पट पूरे साल खुले रहते हैं। यहाँ के मंदिर में मुख्य भगवान के रूप में विराजमान शिव की पूजा-अर्चना की जाती है। यहाँ पहुंचने के लिए घने जंगलों और मैदान से गुजरना पड़ता है। यहाँ बेहद ही पुराना कलपेश्वर वृक्ष है। कहा जाता है कि इस वृक्ष से जो भी मुराद मांगो वह पूरी होती है। समुद्र तल से 2,134 मीटर की ऊंचाई पर कलपेश्वर चमोली के अरगम जिले में है। हेलांग से 1 किलोमीटर दूर इस जगह पर यहाँ से ट्रेकिंग कर पहुंचा जा सकता है। दिल्ली से 475 किलोमीटर दूर और दो किलोमीटर की ट्रेकिंग कर यहाँ पहुंचा जा सकता है। पांडवों को क्षमादान देने से बचने के लिए जब भगवान शिव बैल का रूप धर भूमिगत हो गए थे तो उनके शरीर के

‘यहां पहुंचने के लिए घने जंगलों और मैदान से गुजरना पड़ता है। यहां बेहद ही पुराना कलपेश्वर वृक्ष है। कहा जाता है कि इस वृक्ष से जो भी मुराद मांगो वह पूरी होती है। समुद्र तल से 2,134 मीटर की ऊंचाई पर कलपेश्वर चमोली के अरगम जिले में है। हेलांग से 11 किलोमीटर दूर इस जगह पर यहां से ट्रेकिंग कर पहुंचा जा सकता है। दिल्ली से 475 किलोमीटर दूर और दो किलोमीटर की ट्रेकिंग कर यहां पहुंचा जा सकता है।’

कई अंग जमीन के ऊपर ही रह गए थे। कलपेश्वर में भी उनके एक भाग की पूजा होती है। कलपेश्वर में और भी कई जगह घूमा जा सकता है। इसके आसपास कई ऐसी जगह हैं, जो बेहतरीन पर्यटक स्थल हैं। रुद्रप्रयाग मंदिर- भगवान शिव का पंचकेदार में एक मंदिर यह भी है। यहाँ भगवान शिव को उनके मोहक चेहरे के रूप में पूजा जाता है। 2286 मीटर की ऊंचाई पर स्थित रुद्रनाथ मंदिर में सगार से 21 किलोमीटर की ट्रेकिंग कर यहाँ पहुंचा जा सकता है। वैसे यह गांव कलपेश्वर से बस दस किलोमीटर की दूरी पर है। जोशीमठ- यह बहुत ही छोटा तीर्थस्थल है मगर चमोली जिले का सबसे महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ पर आदि शंकराचार्य की बनाई चार मुख्य संस्थाएँ हैं। साथ ही यह भगवान बद्रीनाथ की प्रतिमाएँ

भी देखी जा सकती हैं। ठंड के दिनों में तो ये संस्थाएँ भगवान का घर बन जाती हैं। चोपता- चोपता को मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। कलपेश्वर से 23 किलोमीटर दूर यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं। साल भर यहाँ पर्यटकों का तांता लगा रहता है। साहसिक खेलों के शौकीनों के लिए यह पसंदीदा जगह है। सर्दियों के दौरान यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता देखने बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। नजदीकी हवाई अड्डा जॉली ग्रैंट एयरपोर्ट है जो कलपेश्वर से 267 किलोमीटर की दूरी पर है जबकि नजदीकी रेलवे स्टेशन ऋषिकेश जोशीमठ से 251 किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ आने के लिए सड़क यातायात का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कलपेश्वर पूरे साल में कभी भी जाया जा सकता है।

पर्यटकों के लिए खुले चौरासी कुटी के द्वार



तीर्थनगरी की ख्याति को देश-विदेश में पहुंचाने वाली महर्षि महेश योगी की तपस्थली शंकराचार्य नगर (84 कुटी) के द्वार अब पर्यटकों के लिए खुल गए हैं। भावतीत ध्यान योग के लिए विख्यात व मशहूर पाप म्यूजिकल रूप बीटल्स की यादों से जुड़ी इस धरोहर को अब पर्यटक करीब से महसूस कर यहां नेचर ट्रेल का आनंद ले सकेंगे। मंगलवार को प्रदेश के वन मंत्री दिनेश अग्रवाल परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनि महाराज ने चौरासी कुटी आश्रम में नेचर ट्रेल का विधिवत लोकार्पण किया ऋषिकेश शहर से लगभग सात किलोमीटर दूर चौरासी कुटी में गुंबद व गुफानुमा चौरासी कुटिया बनी हैं। जो वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। अस्सी के दशक में राजाजी पार्क के अस्तित्व में आने से पहले तक चौरासी कुटी पर्यटकों से गुलजार रहती थी, लेकिन उसके बाद आश्रम ही बंद कर दिया गया था। साथ ही पर्यटकों के यहां जाने पर पाबंदी लगा दी गई थी। अब इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। देश व विदेश के पर्यटक निर्धारित शुल्क अदा कर इस धरोहर को करीब से देख सकेंगे। लोकार्पण के अवसर पर वन मंत्री दिनेश अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति तथा वन संपदा प्रदेश की रीढ़ है। हमें इसे संरक्षित रखते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि चौरासी कुटी का पर्यटकों के लिए खोला जाना एक बड़ा कदम है और हम इस धरोहर को और संरक्षित कर यहां से योग व अध्यात्म का संदेश देश-विदेश तक पहुंचाने में सफल होंगे। देश विदेश के पर्यटकों व योग जिज्ञासुओं के लिए यह स्थल एक नई पहचान बनेगा। परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनि महाराज ने कहा कि महर्षि महेश योगी ने ही देश-विदेश में तीर्थनगरी की ख्याति को पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने इस स्थान को हेरिटेज के रूप में संरक्षित कर इसे और खूबसूरत रूप देने की सलाह दी। इस अवसर पर विधायक विजय बड़वाल, मुख्य वन। मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक डीपीएस खाती, राजाजी टाइगर रिजर्व की निदेशक नीना ग्रेवाल, भागीरथी वृत्त के वन संरक्षण एस्प्री सुबुद्धि भी इस अवसर पर मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन वन्य जीव प्रतिपालक

कभी गए हैं आप? एक हिल स्टेशन है मोरी

दिल्ली से 410 किलोमीटर की दूरी पर भीड़भाड़ से दूर हिल स्टेशन है- मोरी। उत्तर-पश्चिम गढ़वाल क्षेत्र स्थित मोरी उत्तरकाशी जिले के बेहतरीन हिल स्टेशनों में से एक है। मोरी हिल अपने आप में खूबसूरती के लिए मशहूर है। यहां की सुंदरता और मनोहारी दृश्य इस हिल स्टेशन का बढ़ा देते हैं। यहां का शांत वातावरण, स्वच्छ हवा और मौसम इसे बेहतरीन हिल स्टेशनों में से एक बनाते हैं। पेड़ों से लदे पहाड़। हरे-भरे धान के खेत, कल-कल बसती टान्स नदी, बेहतरीन वॉटरफॉल, झीलें और देवदार के पेड़ मोरी को और भी मनोहारी बनाते हैं। एशिया का सबसे लंबा देवदार का जंगल मोरी में ही है। मोरी न सिर्फ प्राकृतिक संपदा का धन है बल्कि प्राचीन मंदिरों और बेहतरीन वास्तुशिल्प से भी समृद्ध है। समुद्रतल से 1150 मीटर ऊपर टॉन्स नदी के किनारे है मोरी। यहां बहने वाली टॉन्स यमुना की सहायक नदियों में से एक है। टॉन्स घाटी के लोग यह दावा करते हैं कि वे पांडवों और कौरवों के पूर्वज थे। वे आज भी उन दिनों की संस्कृति, बहु विवाह को मानते हैं। यहां के टॉन्स नदी में रिवर राफ्टिंग का आनंद लिया जा सकता है। यहां पर कैम्पिंग भी की जा सकती है। इसके लिए यहां सारा सामान उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा हाइकिंग, ट्रेकिंग, नेचर वॉक का आनंद किया जा सकता है। विडियों की चहचहाहट, वनस्पति और जीव-जंतु पर्यटकों को चौंका देते हैं। रॉक क्लाइंबिंग भी मोरी के मशहूर खेलों में शामिल है।

मोरी में देखने लायक बहुत कुछ है जैसे-
इच्छारी बांध- यह बांध मोरी के मुख्य आकर्षण में से एक है। यह बांध टॉन्स नदी पर बना है। किंवदंती के अनुसार ऐसा माना जाता है कि यह नदी राक्षसी सूर्पनखा के आंसुओं से उत्पन्न हुई थी।
दुर्योधन मंदिर- यह मंदिर पांडवों का बनाया है। लकड़ियों से बना मंदिर बेहतरीन कलाकृति का उदाहरण है। यह मंदिर कौरवों के सबसे बड़े भाई दुर्योधन को समर्पित है।
लुनागढ़ क्रीक- यह एक खूबसूरत पैलेस में से एक है। मोरी से 30 मिनट पैदल का रास्ता तय कर इस पैलेस तक पहुंचा जा सकता है। इसमें छोटा सा तालाब और वाटरफॉल भी देखा जा सकता है। यह एशिया के सबसे बड़े देवदार के जंगलों से घिरा है। इसमें बच्चों और बड़ों दोनों के लिए प्रकृति से जुड़े विभिन्न एडवेंचर हैं।
नेटवार- मोरी से ग्यारह किलोमीटर दूर आयाताकार लकड़ी का बना एक मंदिर दुर्योधन के मित्र कर्ण को समर्पित है।
जैखोल- मोरी से 20 किलोमीटर की दूरी पर टॉन्स घाटी के ऊपर है जैखोल गांव। यह छोटा सा गांव देवदार जंगलों के बीच है।
मोरी जाने के लिए मसूरी से बस या टैक्सी ली जा सकती है। मसूरी से मोरी सिर्फ 139 किलोमीटर है।
नजदीकी हवाई अड्डा जॉली ग्रैंट देहरादून है, जो 170 किलोमीटर दूर है।
नजदीकी रेलवे स्टेशन देहरादून है जो 178 किलोमीटर की दूरी पर है।
यहां जाने का सबसे अच्छा समय अप्रैल से जून तक है। ठंड में यहां का तापमान दो डिग्री तक हो जाता है।

रंगीलो राजस्थान का दिल जोधपुर

शानदार महलों, दुर्ग और मंदिरों के लिए विख्यात रंगीलो राजस्थान के दूसरे बड़े शहर जोधपुर की बात ही निराली है। पूरे शहर में बिखरे वैभवशाली महल, जो न सिर्फ यहां के ऐतिहासिक गौरव को जीवंत करते हैं, बल्कि यहां की हस्तकलाएँ, लोक-नृत्य, पहनावे और संगीत शहर की समां को रंगीनवत से भर देते हैं...

जोधपुर के आसपास
जोधपुर से करीब 25 किमी. की दूरी पर गुडा बिरनोई गांव वाइल्डलाइफ और प्रकृति की सुंदर छटा निहारने के लिए बेहतरीन स्थान है। ओसियन जोधपुर से लगभग 65 किमी. की दूरी पर स्थित एक प्राचीन शहर है। यह जैन शैली के मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां ऊंट की सवारी कर सकते हैं। इसके अलावा, मछिया सफारी पार्क, कायलाना लेक भी दर्शनीय स्थल हैं। पाली में सोमनाथ और

नीलखा मंदिर शिल्पकला के लिए मशहूर हैं। उर्स के दौरान मीर मस्तान की दरगाह मुख्य आकर्षण होता है। जोधपुर शहर फोर्ट, पैलेस और मंदिरों के लिए दुनियाभर में मशहूर है, लेकिन एडवेंचर स्पोर्ट्स और खाने-पीने के शौकीनों को भी यह शहर खूब आकर्षित करने लगा है। रंग-बिरंगे परिधान में सजे लोग और उनकी मनमोहक लोक-नृत्य व संगीत का इस शहर की समां में चार-चांद लगा देते हैं। यह राजस्थान के बीचोंबीच स्थित है, इसलिए इसे राजस्थान का दिल भी कहा जाता है। राठौड़ वंश के प्रमुख राव जोधा ने इस शहर की स्थापना वर्ष 1459 में की थी। उन्हीं के नाम पर इस शहर का नाम जोधपुर है। यह शहर सन सिटी और ब्लू सिटी के नाम से भी मशहूर है। इसे सन सिटी इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहां की धूप काफी चमकीली होती है। वहीं, मेहरानगढ़ किला जोधपुर जाने वाले पर्यटकों में उमेद भवन

पैलेस के प्रति एक खास आकर्षण होता है। महाराजा उमेद सिंह (1929-1942) ने इसे बनवाया था। दरअसल, यह दुनिया के सबसे बड़े प्राइवेट रेजिडेंस में से एक है। इसमें तकरीबन 347 कमरे हैं। महल की खासियत है कि इसे बलुआ पत्थरों से जोड़ कर बनाया गया था। इस बेजोड़ महल के वास्तुकार हेनरी वॉन थे। महल का एक हिस्सा हेरिटेज होटल में परिवर्तित कर दिया गया है, जबकि बाकी हिस्से को म्यूजियम का रूप दे दिया गया है, जिसमें राजघराने से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है।

मेहरानगढ़ किला
जोधपुर जाएं, तो मेहरानगढ़ फोर्ट देखना न भूलें। करीब 150 मीटर ऊंचे टीले पर बना यह किला भारत के सबसे बड़े फोर्ट में से एक है। यहां से जोधपुर शहर का शानदार नजारा दिखाई देता है। इसका निर्माण राव जोधा ने 1459 में करवाया था।

यहां पहुंचने के लिए घुमावदार रास्तों और पथरीले टीलों से होकर गुजरना होगा, लेकिन फोर्ट पहुंचने के बाद इसकी भव्यता देखते ही बनती है। इस किले में कई पोल यानी प्रवेशद्वार हैं, जिनमें जयपोल, फतहपोल और लोहपोल प्रमुख हैं। किले में स्थित महलों को देखने के बाद आपको मेहरानगढ़ की भव्यता का अहसास होगा। उस दौर की राजशाही वस्तुओं व धरोहर भी यहां देखे जा सकते हैं। किले की प्राचीर पर आज भी तोपें रखी हैं।

जसवंत थंडा
मेहरानगढ़ किले से कुछ ही दूरी पर जसवंत थंडा बेहद खूबसूरत स्मारक है। पहाड़ों से घिरे सफेद संगमरमर की बनी इस स्मारक की नक्काशी देखते ही बनती है। इसके पास ही एक झील है, जो चांदनी रात में स्मारक की खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। यह जोधपुर राजपरिवार के राठौड़ राजा-महाराजाओं का समाधि स्थल भी है।

यहां घुमने जाना किसी ख्वाब से रू-ब-रू होने सरीखा है

आसमान की छंटी कालिमा कब उजली नीलिमा में बदल जाती है, पता ही नहीं लगता...बस महसूस होता है कि कुछ क्षण पहले ही तो आकाश का रंग कुछ और था अब कुछ और...लेकिन लंबे में कुछ और भी होता है...सुबह जब यह अंगड़ाई लेती है...तब वादियों से उठता कुहसा उसे आगोश में भरने लगता है...तब यह इलाका हौले-हौले उठते कुहसे, हरियाली और लाल छतों के बीच ध्यान योग में डूबा सा लगता है। यहां आना किसी ख्वाब से रू-ब-रू होने सरीखा है। रूह के रूहानी अहसासों से घुल-मिल जाने की तरह। सूरि के पास एक छोटी-सी जगह है। नाम है लंबे। मसूरी के र्लेमर और कोलाहल वाले मॉल रोड से कोई चार-पांच किलोमीटर दूर। शांत। शुद्ध हवा, ऊंचे पहाड़ों की कतारें, वादियां। देवदार के हजारों वृक्षों का सम्मोहित कर देने वाला संसार। कहा जाता है जब अंग्रेज यहां आए तो मोहित हो गए। उन्होंने इस शांत स्वर्ग में कॉटेज बनाए, एस्टेट खड़े किए। यहीं के होकर रह गए। बाद में लंबे साहित्यकारों, कवियों और दार्शनिकों की पसंदीदा स्थली बना। यहां की फिजाओं में अब भी

अलग ही बात है, अलग ही संगीत। बेहद मौलिक है, बेहद प्योर। लंबे अंगर अब भी उतना ही इसीन और अलौकिक बना हुआ है, तो शायद इसीलिए, क्योंकि यहां प्रकृति से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई। यहां चुनिंदा लोग रहते हैं। रहने की शर्त यह है कि प्रकृति से कोई छेड़छाड़ नहीं। जो कुछ जैसा है, वह वैसा ही रहेगा। उन्हें इसी के बीच एडजस्ट होना है।

कुछ अलग है लंबे
जब ड्रीन ऑफ हिस्स की बात होती है, तो उसका मतलब मसूरी के साथ उसकी पड़ोसी बहन लंबे से भी होता है। जैसे-जैसे आप इसके सीमेंटनुमा संकरे घुमावदार रास्तों से ऊपर की ओर बढ़ेंगे, यह इलाका अपने सुहानेपन की परतें खोलने लगेगा। देवदार, हिमालयन ओक, चीड़ पाइन, ब्लू पाइन और तमाम पहाड़ी पेड़-पौधों के बीच फूलों की छटा मिलेगी। पक्षियों का एंबियंस होगा। यह जगह अपने आपमें एक जीती-जागती बर्ड सेंकुरी भी है। यहां दिनों-दिन पक्षियों की प्रजातियां बढ़ रही हैं। कुछ नए मेहमान पक्षी भी आना-जाना बढ़ रहे हैं। मोटे तौर पर यहां 350 पक्षियों की प्रजातियां तो हमेशा मिल जाएंगी।

बरसात की हल्की फुहारों के बीच यहां पहुंचेंगे, तो ऊंचाई पर धुंध के बीच फुहारें टप-टप करती हुई मिलेंगी। यहां सबसे ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सामने दिखने लगेगी हिमालय रेंज की प्रसिद्ध चोटियां। जाड़ों के मौके पर ये चोटियां बर्फ की सफेद चादर ओढ़े होती हैं और सूरज की किरणें पड़ते ही चांदी-सी दमकती हैं। नीचे हरियाली से भरी वादियां और ऊंचे देवदार वृक्ष। यह इलाका तिब्बत का करीबी पड़ोसी भी कहा जाता है। कहीं भी जाइए। चारों ओर नजर दौड़ाए तो हर पल एक अलग खुशनुमा केनवस दिखेगा। पास से लेकर दूर तक।

अंग्रेजों ने बसाया था
अंग्रेजी सेना का अफसर कैप्टेन यंग 19वीं सदी के शुरू में यहां पहुंचा। यहां सबसे पहला पक्का घर भी कैप्टेन यंग का ही बना था। फिर यहां सेना की छावनी बनी। इस छोटे, खूबसूरत और शांत कस्बे को 1827 में ब्रिटिश आर्मी ने बसाया। दक्षिण- पश्चिम वेल्स के चारमोरथेनशायर के एक गांव लैंडवॉर के नाम पर इस जगह को नाम मिला लंबे। यह मसूरी से करीब 300 मीटर और ऊपर है।

